मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

भोपाल, बुधवार 15 अक्टूबर 2025 ■ वर्ष : 36 ■ अंक : 220 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1 रु. www.amritdarshan.com Email : amritdarshan@yahoo.com RNI NO. 50259/90

सड़क सुरक्षा पर केंद्रित कार्यशाला का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रशासन अकादमी में सड़क सुरक्षा कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस मौके पर सड़क सुरक्षा उपायों पर केंद्रित कार्यशाला में आधुनिक एवं उन्नत उपकरणों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन कर तकनीक की जानकारी ली। सीएम ने कार्यशाला में रिमोट का बटन दबाकर संजय एडवांस एप लांच किया। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा शिक्षा पुस्तक का विमोचन किया। सीएम की उपस्थिति में लोक निर्माण विभाग एवं मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड और आईआईटी मद्रास तथा सेव लाईफ फाउंडेशन के बीच एम ओ यू का आदान प्रदान किया गया।

सीएम मोहन आज ओरछा में करेंगे श्री रामराजा लोक का भूमिपूजन

332 करोड़ के विकास कार्यों की देंगे सौगात

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को निवाड़ी जिले के ओरछा में श्री रामराजा लोक के द्वितीय चरण के निर्माण की आधारशिला रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 257 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत के कार्यों का भूमिपूजन और 74 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत के कार्यों का लोकार्पण और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ वितरण भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्री रामराजा सरकार के दर्शन करेंगे और जुझार सिंह महल का भ्रमण कर श्री रामराजा लोक फेस-1 के निर्माणाधीन कार्यों का अवलोकन करेंगे। मुख्य कायक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्री रामराजा वृद्धाश्रम में भोजन करेंगे।

इन कार्यों का होगा लोकार्पण

सीएम डॉ. यादव श्री रामराजा लोक के प्रथम चरण में 103 दुकानों एवं प्लाजा निर्माण, राय प्रवीण महल गार्डन का संरक्षण, विकास एवं इल्यूमिनेशन कार्य, स्टेट प्रोटेक्टेड मोन्यूमेंट लक्ष्मी मंदिर ओरछा में बाउंड्री वाल का निर्माण कार्य, लक्ष्मी मंदिर तता राजा महल का इल्यूमिनेशन तथा कटीला दरवाजा से जहांगीर महल तक पाथ-वे, स्ट्रीट लाइट हेरिटेज पोल कार्य और लक्ष्मी मंदिर एवं जहांगीर मंदिर के लेंडस्केपिंग कार्य का लोकार्पण करेंगे। सांदीपनि विद्यालय स्कूल असाटी, शासकीय उ.मा. विद्यालय गोराखास, चचावली पठाराम मार्ग लंबाई 6 किमी. असाटी देवेन्द्रपुरा मार्ग लंबाई 4.20 किमी, लगी बरिया चिकटा से चौमों मार्ग लंबाई 3.40 किमी, सिमरा जेरौन मुख्य मार्ग से बोडेरा कटरयाना पिरयनवारा खिरक होते हुये मिलावन खिरक तक मार्ग लंबाई 3 किमी, देवेन्द्रपुरा से गिदखिनी मार्ग लंबाई 2.10 किमी, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस कंट्रोल रूम, 50 सीटर अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास भवन शक्तिभैरो और उप तहसील (टप्पा) तरीचरकलां जिला निवाड़ी का लोकार्पण होगा। इन सभी कार्यों की लागत 74 करोड़ 90 लाख रूपये है। पर्यटन, उच्च शिक्ष के 257 करोड़ 95 लाख लागत के 5 कार्यों का भूमिपूजन भी करेंगे।

ग्वालियर में आंबेडकर प्रतिमा विवाद

सीएसपी हिना खान को बताया सनातन विरोधी तो लगाए जय श्रीराम के नारे

ग्वालियर ■ अमृत दर्शन

आंबेडकर मूर्ति विवाद को लेकर भले ही दलित संगठनों के अलावा अन्य संगठनों ने आंदोलन का कॉल वापस ले लिया है, लेकिन ग्वालियर का माहौल गरम है। साथ ही शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चार हजार जवानों की तैनाती की गई है। इस बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अनिल मिश्रा अपने लोगों के साथ सुंदर कांड का पाठ करने जा रहे थे। तभी सीएसपी हिना खान ने उन्हें रोक दिया। इस पर अधिवक्ता अनिल मिश्रा कहने लगे कि आप सनातन विरोधी हैं। साथ ही जय श्रीराम के नारे लगाने लगे। ऐसे में सीएसपी हिना खान भी उनके मुंह पर जय श्रीराम के नारे लगाने लगीं। मिश्रा सीएसपी को कहा कि आपने हमारे लोगों को रोका है। इस पर हिना खान कहती हैं कि मैंने नहीं रोका है। एसडीएम साहब का फैसला है। इसके बाद अनिल मिश्रा कहते हैं कि ये बिल्कुल सनातन का विरोध है।

सुंदरकांड पाठ करते समय रोका तो पुलिस से हुई बहस

हिना खान ने कहा यह सनातन का विरोध नहीं है। मिश्रा और उनके लोग कहते हैं कि यह सनातन का ही विरोध है। अनिल मिश्रा वहां नारेबाजी करने लगते हैं। सीएसपी हिना खान भी जय श्रीराम के नारे लगाने लगीं। वह चार बार अनिल मिश्रा की आंखों में आखें डाल जय जय श्रीराम बोलीं। इसके बाद वह कहती हैं कि और कुछ।

दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की सशर्त अनुमति

दिवाली में सुबह 6 से 7 बजे तक और फिर रात 8 से 10 बजे तक ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे

नईदिल्ली ■ एजेंसी

दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों को लेकर बड़ा आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर प्रतिबंध की शर्तों में ढील देते हुए 21 अक्तूबर तक ग्रीन पटाखों की इजाजत दे दी है। केंद्र और दिल्ली सरकार के संयुक्त अनुरोध को स्वीकार करते हुए मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने ग्रीन पटाखों पर प्रतिबंध में राहत दी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में सिर्फ नेशनल एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी है। अदालत ने शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। ये अनुमति 18 से 21 अक्टूबर तक के लिए है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हमें एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा, पर्यावरण के साथ समझौता किए बिना संयमित रूप से इसकी अनुमति देनी होगी। मुख्य न्यायाधीश ने आदेश का मुख्य भाग पढ़ते हुए कहा, पटाखों की दिल्ली-एनसीआर में तस्करी की जाती है और वे ग्रीन पटाखों से ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि इस अवधि (21 अक्तूबर) के बाद इन पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध जारी रहेगा। वहीं नियमों के उल्लंघन करने पर निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

नकली पटाखा बेचा तो लायसेंस निरस्त

सुप्रीम कोर्ट ने 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक ग्रीन पटाखे फोड़ने की अनुमति दी है, जो कि सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और फिर रात 8 बजे से 10 बजे तक जारी रहेगी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में बाहर से पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट आदेश में कहा कि अगर नकली पटाखे पाए जाते हैं, तो लाइसेंस निलंबित कर दिया जाएगा। इसी के साथ केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और एनसीआर के राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को दिवाली के दौरान प्रदूषण के स्तर की निगरानी करने और उसके समक्ष रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया है।

गश्ती दल गठित करने का आदेश

इतना ही नहीं गश्ती दल ग्रीन पटाखा निर्माताओं की नियमित जांच करेगा। कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को गश्ती दल गठित करने का आदेश दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल क्यूआर कोड वाले अनुमत उत्पाद ही बेचे जाएं। ग्रीन पटाखों के क्यूआर कोड वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। जिससे प्रमाणिकता की जांच की जा सकें। कोर्ट के आदेश के मुताबिक ग्रीन पटाखों की बिक्री सिर्फ प्रमाणित कंपनियों की ओर से निर्धारित स्थानों से ही की जा सकेगी। बता दें कि 10 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति मांगने वाली याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

एम्बुलेंस लेकर उनके घर पहुंची टीम

सेवानिवृत आबकारी अधिकारी के इंदौर सहित पांच ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

इंदौर ■ अमृत दर्शन

कई जिलों में पदस्थ रहे सेवानिवृत आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के पांच ठिकानों पर लोकायुक्त विभाग ने छापा मारा है। अफसरों को बड़ी मात्रा में आय से अधिक संपत्ति का पता चला है। इंदौर में पलासिया स्थित फ्लैट के अलावा बिजनेस पार्क और एरोड्रम रोड स्थित दफ्तर में टीम पहुंची।

उनका पैतृक निवास ग्वालियर के इंद्रमणि नगर में भी है। वहां भी एक टीम दस्तावजों की जांच कर रही है। यहां भदौरिया के भाई व अन्य परिजन रहते हैं। अफसरों को भारी मात्रा में कैश, सोने चांदी के आभूषण, कृषि भूमि व अलच संपत्तियों का पता चला है। छापे में बड़ी मात्रा में नकद, एक किलो से ज्यादा सोना, महंगी गाड़ियां, कृषि भूमि का पता चला है। धर्मेंद्र सिंह भदौरिया तीन माह पहले ही सेवानिवृत हुए। अगस्त में वे सेवानिवृत होने के बाद इंदौर स्थित पलासिया के फ्लैट में रह रहे है। वर्ष 2020 में शराब ठेकों की नीलामी में की गई गड़बड़ी के कारण निलंबित हुए थे। टीम दो चार पहिया वाहनों में पलासिया स्थित कैलाश कुंज अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 201 में पहुंची। टीम ने छापे की जानकारी देकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी और अलमारी व अन्य दस्तावेजों को जांचना शुरू कर दिया।

छापे में क्या मिला?

इस मामले में डीएसपी ने बताया कि भदौरिया के ठिकानों से एक करोड़ रुपये पांच लाख रुपये की नकदी के साथ ही सोने की करीब 1.50 किलोग्राम वजनी सिल्लियां और इसी धातु के लगभग एक किलोग्राम वजनी आभूषण मिले हैं। उन्होंने बताया कि लोकायुक्त पुलिस को भदौरिया के परिवार के फिल्मों में निवेश के बारे में भी जानकारी मिली है। इसके अलावा सात-आठ बैंक खातों और लॉकरों के बारे में सूचना मिली है। उनके परिवार के पास तीन-चार महंगी गाड़ियां होने के बारे में भी पता चला है। डीएसपी ने बताया कि भदौरिया 31 अगस्त को अलीराजपुर के जिला आबकारी अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त आबकारी अधिकारी और उनके परिजनों की संपत्तियों का विस्तृत मूल्यांकन जांच जारी है।

महाभारत के कर्ण पंकज धीर का निधन

नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री से शॉकिंग खबर सामने आई है। एक्टर पंकज धीर का निधन हो गया है। उन्होंने बीआर चोपड़ा की महाभारत में कर्ण का रोल प्ले किया था। उनके करीबी दोस्त अमित बहल ने एक्टर की मौत की खबर को कंफर्म किया है। सूत्रों के मुताबिक, पंकज को कैंसर था, वो इससे जंग जीत गए थे लेकिन बीते कुछ महीनों में उनका कैंसर दोबारा लौटा। एक्टर की हालत काफी नाजुक थी। बीमारी की वजह से वो एक बड़ी सर्जरी से भी गुजरे थे। लेकिन पंकज को बचाया नहीं जा सका।

गढ़चिरौली में 60 नक्सलियों ने किया सरेंडर

गढ़चिरौली। देश में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। इस बीच महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पहली बार सबसे बड़ा नक्सली आत्मसमर्पण हुआ है। वरिष्ठ नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति ने अपने 60 अन्य नक्सली साथियों के साथ महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार डाले हैं। आज गढ़चिरौली शहीद पांडु आलम हॉल, पुलिस मुख्यालय में आत्मसमर्पण समारोह आयोजित किया।

।। कक्का जी कहिन ।। डी.पी. गोयल

आया राम गया राम का खेल शुरू

बिहार में भा.ज.पा. एवं जनतादल यू. ने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। वहीं दूसरी तरफ उनके सहयोगी चिराग पासवान, जीतनराम मांझी, भूपेन्द्र कुशवाहा ने अभी तक प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की। भूपेन्द्र कुशवाहा भा.ज.पा. से नाराज चल रहे हैं। उनको सीटों के बटवारे में कम सीटें मिली और वह जो सीटें चाहते थे वह उन्हें नहीं मिली है। भा.ज.पा. ने एक केन्द्रीय मंत्री को कुशवाहा को मनाने के लिये पटना भेजा है। वहीं दूसरी तरफ कुछ विधायकों के टिकट कटने से वह नाराज हैं। विधानसभा अध्यक्ष का भी टिकट भा.ज.पा. ने काट दिया है। कुल मिलाकर भा.ज.पा. में अन्दर ही अन्दर असंतोष की लहर उठ चुकी हैं।

वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस अपने लिये ज्यादा सीटें चाहती है। वहीं तेजस्वी यादव इसके लिये तैयार नहीं हैं। साथ ही महागठबंधन में अन्य सहयोगी दलों से सीटों का बंटवारा फाइनल नहीं हुआ है। तेजस्वी यादव राघोपुर से 15 अक्टूबर को अपना नामांकन पत्र भरेंगे।

इधर चुनावी जंग जारी है। वहीं दूसरी तरफ लालू यादव, उनकी पत्नि रावड़ी देवी, तेजस्वी यादव सहित अन्य पर भ्रष्टाचार का आरोप रेलवे की कैटरिंग कम्पनी ने लगाया है। इससे जनता में इन नेताओं की छवि पर प्रश्न चिन्ह लगा है।

मैं यह सब लिख रहा था तभी कलि आ गये और बोले-सुनो वत्स, 15-16-17 इन तीनों दिनों में सभी दलों में असंतुष्ट दल-बदल कर दूसरी पार्टी से चुनाव लड़ सकते हैं। इसमें कई प्रमुख चेहरे, पूर्व विधायक सहित नेता शामिल हैं। बहरहाल सभी पार्टियों के लिये 17 अक्टूबर नामांकन का दिन अति महत्वपूर्ण है, देखना होगा कि कितने असंतुष्ट पार्टियां छोड़कर दूसरी पार्टियों से नामांकन भरते हैं। कुल मिलाकर धमाका जरूर होगा। इतना कहकर कलि अंतर्ध्यान हो गये।

(क्रमश:---)

बिहार चुनाव डायरी- जगत शर्मा

इस बार बिखर सकता है एकजुट मुस्लिम वोट

पटना ■ अमृत दर्शन

बिहार विधानसभा चुनाव में हमेशा मुस्लिम वोटर्स निर्णायक भूमिका निभाते चले आए हैं, कभी कांग्रेस का कोर वोटर्स माने जाने वाले मुस्लिम वोटर्स नब्बे के दशक में कांग्रेस से छिटक कर पूरी तरह लालू प्रसाद यादव के तत्कालीन जनता दल के हो गए, इसका बड़ा कारण था उस समय भाजपा द्वारा पार्टी अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में सोमनाथ मंदिर से अयोध्या तक जा रही रथयात्रा का रथ सीएम लालू प्रसाद यादव द्वारा बिहार में रोककर आडवाणी को गिरफ्तार कर लेना, जबकि केन्द्र में भाजपा जनता दल की सहयोगी पार्टी होने के नाते तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह को समर्थन कर रही थी।

इस एक घटना ने बिहार में मुसलमान मतदाताओं को लालू यादव के ठोस वोटबैंक के रूप में स्थापित कर दिया। बाद में जनता दल टूटा सुब्रमण्यम स्वामी, नीतीश कुमार, शरद यादव, जार्ज फर्नांडिस, रामविलास पासवान सब अलग अलग होकर अलग-अलग दलों के निर्माता बन गए। आज बिहार में जो बड़े नेता हैं सब जनता दल अथवा जेपी आंदोलन से ही निकले हुए लोग हैं, इसलिए मुसलमानों वोटर्स कभी न कभी सभी के साथ रहे हैं। अब इस चुनाव में यह बड़ा मुद्दा है कि इस बार वह किसके साथ होंगे।

पीके की जनसुराज और ओवैसी की पार्टी भी अब मुस्लिमों की पसंद

2014 के लोकसभा चुनावों से पहले पीएम नरेंद्र मोदी की पब्लिसिटी और पब्लिक इमेज़ को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के साथ साथ अनोखे तरीके से प्रस्तुत किए गए पीआर के दम पर इकतरफा स्थापित कर लोकसभा चुनाव में एतिहासिक सफलता दिलाने वाले प्रशांत किशोर उर्फ पीके अब खुद बिहार में अपनी खुद की पार्टी बनाकर चुनाव मैदान में हैं। वह उन सभी दांव-पेंच से भलीभांति परिचित हैं जो चुनाव के दौरान आजमाए जाते हैं। प्रशांत किशोर भी सीधे मुस्लिम समाज से जुड़ रहे हैं उनकी सभाएं कर रहे हैं। और तो वह अपने दल के चालीस मुस्लिम कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव में टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारने का मन बना चुके हैं। मतलब सीधा-सीधा है कि एक और दल मजबूती से कथित सेकुलर राजनीति का चेहरा लगाकर मुस्लिम वोटर्स का बंटवारा कराने में सक्षम दिखाई दे रहा है। अब अगर हम ओवैशी की पार्टी एएमआईएमआई की बात करें तो 2020 विधानसभा चुनाव में इनका प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा था जिसका सीधा सीधा लाभ एनडीए और खासतौर पर भाजपा को मिला था, जिसके बाद कई बड़े नेताओं ने भी इस दल पर भाजपा की बी टीम होने का आरोप लगाया था, एएमआईएमआई के कई प्रत्याशी भी चुनाव जीते थे। इस बार भी ओवैसी की पार्टी उत्साह में हैं और मुस्लिम बहुल इलाकों से अपने उम्मीदवार उतारने की योजना बना रही है, इंडी गठबंधन से इनका समझौता नहीं हो पा रहा है इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि असुद्दीन औबेसी के उम्मीदवार अपनी दम पर चुनाव लडेंगे और बिहार की तमाम सेक्यूलर फोर्सेस की हवा निकाल देंगे।

2020 के चुनाव में दिया था महागठबंधन का साथ

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में मुस्लिम वोटर्स सीधे तौर पर महागठबंधन के पाले में खड़े दिखाई दिए थे, मुस्लिम बहुल इलाकों से महागठबंधन उम्मीदवार चुनाव जीते या फिर बहुत कम मार्जिन से हारे जिसका एक कारण एआईएमआईएम असुद्दीन औबेसी की पार्टी भी रही जहां उनके प्रत्याशी ने महागठबंधन के वोट काटे। इस बार इंडिया गठबंधन ही महागठबंधन है लेकिन मुस्लिम समुदाय कंफ्यूज़न में है, आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर कोई बनती दिखाई नहीं दे रही है, 2020 विधानसभा चुनाव में अपनी तत्कालीन परफार्मेंस के आधार पर इस बार कांग्रेस भी उत्साहित है, वही लालू परिवार को लग रहा है कि एंटीइंकांबेंसी का पूरा फायदा केवल उन्हें ही मिलेगा जिससे उनकी सरकार बनना निश्चित है। फिलहाल इंडी गठबंधन के दो प्रमुख दल आपस में ही उलझे हैं और उनके इस आचरण से मुस्लिम वोटर्स विकल्प तलाश रहे हैं।

अंतर्मना उवाच

आज का आदमी

*सम्मान की मिठाई तो जल्दी खा लेता है परन्तु अपमान का गोबर हजम नहीं कर पाता। इसलिए **सम्मान में फूलो मत और अपमान में कूलो मत।** जब व्यक्ति कोई पाप या गलत काम करता है तो वो दु:ख और अपमान को निमंत्रण ही देता है। **पाप करना ही अपमान को बुलाना है।** यदि आज तुम्हें सेवा, परोपकार जैसे कार्य के बाद भी अपमान मिल रहा है, इसका मतलब है कि तुमने पहले किसी अच्छे कार्य की अनुमोदना नहीं की।*

जो भी दु:ख, परेशानी या अपमान जीवन में आ रहा है या हो रहा है, वो तुम्हारे ही अशुभ कर्मों से हो रहा है।** तुम किसी दूसरे को दोष मत दो। लेकिन आदमी बड़ा बेईमान है। **जब भी कोई दु:ख, परेशानी या अपमान की बात होती है तो अपनों को दोषी बता देता है और कोई कार्य अच्छा हो जाये, या कोई बड़ा लाभ हो जाये तो मैंने किया।** यह जो आदमी की आदत है ये ठीक नहीं है। यह दोहरा चरित्र, दोगली, जीवनशैली ठीक नहीं है। **मैं हमेशा कहता हूँ - ऐसा व्यवहार दूसरों के साथ मत करो जो खुद को पसंद ना हो।

- *आपको गाली पसंद नहीं है, प्लीज आप गाली मत दो।*
- *आपको अपमान पसंद नही है, आप दूसरों का अपमान मत करो।*

आपको जो पसंद हो, वो आज से देना शुरू करो.. फिर देखो जिंदगी में चार चाँद लग जायेंगे...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

नाबालिग से बलात्कार: दोषी को 20 साल की सजा

ग्वालियर कोर्ट ने 7500 रुपए का जुर्माना लगाया, होटल में हुआ था दुष्कर्म

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के विशेष सत्र न्यायालय ने नाबालिग से बलात्कार के आरोपी शुभम उर्फ शिवम जाटव को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही 7 हजार 500 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। आरोपी प्रेम नगर का निवासी है।

याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक हरिओम वर्मा ने बताया कि पीड़िता अपनी मां के साथ शिवम जाटव के खिलाफ दर्ज छेड़छाड़ के मामले में बयान देने आ रही थी। शिवम ने पीड़िता को फोन कर गवाही न देने और उसे लेने आने की बात कही थी।

घटना से पहले राजस्थान घूमने गए थे: पीड़िता 10 दिसंबर 2024 को पनिहार रेलवे स्टेशन पर उतरी और बस से ग्वालियर पहुंची। आरोपी शिवम पीड़िता को जयपुर ले गया। राजस्थान घूमने के बाद वे वापस लौटे और ग्वालियर के एक होटल में आरोपी ने उसके साथ बलात्कार किया।

पनिहार थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। कोर्ट ने सभी सबूत के आधार पर दोषी को सजा सुनाई।

कोल्ड्रिफ सिरप कांड में हैरान करने वाला खुलासा

कमीशन के चक्कर में बच्चों की जिंदगी का किया सौदा, जमानत नामंजूर

भोपाल/छिंदवाड़ा ■ निसं

न्यायालय ने कहा कि अपराध गंभीर प्रकृति का है, जांच अभी अधूरी है और अभियुक्त साक्ष्य प्रभावित कर सकता है, इसलिए डॉ. सोनी की जमानत याचिका खारिज कर दी गई। मध्य प्रदेश में 25 मासूमों की जान लेने वाले कोल्ड्रिफ कफ सिरप कांड में अब एक हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। परासिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर प्रवीण सोनी ने कोर्ट में दिए अपने मेमोरेंडम बयान में स्वीकार किया है कि श्रीसन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड से उन्हें कोल्ड्रिफ कफ सिरप प्रिस्क्राइब करने के एवज में 10 प्रतिशत कमीशन मिलता था। इस

सिरप की एमआरपी 89 दर्ज है। इतना ही नहीं, जांच में सामने आया है कि डॉक्टर की पत्नी और भतीजे की मेडिकल दुकान पर भी इसी कंपनी की दवाइयां बेची जाती थीं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि कमीशन और लाभ के लिए बच्चों की सेहत से सौदा किया जा रहा था।

सरकारी वकील का तर्क- डॉक्टर को थी पूरी जानकारी: सरकारी वकील ने जमानत आवेदन का विरोध करते हुए कोर्ट में कहा कि डॉ. सोनी को यह जानकारी थी कि स्नष्टष्ट (Fi&ed Dose Combination) वाली दवाएं 4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जानी चाहिए। इसके बावजूद उन्होंने बच्चों को यही सिरप दिया। उन्होंने यह भी बताया कि डॉक्टर ने खुद माना है कि कंपनी से कमीशन लेते थे और सिरप के स्टॉकिस्ट उनके परिजन ही हैं।

डॉक्टर ने कोर्ट में माना- कंपनी से मिलती थी कमीशन

डॉ. सोनी ने कोर्ट में अपने बयान में कहा कि उन्हें हर बिक्री पर कमीशन मिलता था। हालांकि, बचाव पक्ष ने यह दलील दी कि मिलावट की जिम्मेदारी डॉक्टर की नहीं, बल्कि निर्माता कंपनी की है, जबकि जांच की जिम्मेदारी ड्रग कंट्रोलर विभाग की होती है। वकील ने कहा कि डॉ. सोनी 35-40 वर्षों से मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे हैं और उन्होंने कभी जानबूझकर गलत दवा नहीं दी। उन्हें तकनीकी आधार पर फंसाया गया है और एफआईआर के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

कोर्ट ने कहा- गंभीर लापरवाही, जमानत नामंजूर

सरकारी वकील के तर्कों को सुनने के बाद कोर्ट ने डॉक्टर प्रवीण सोनी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। कोर्ट ने आदेश में कहा, घटना की जानकारी होने के बावजूद डॉक्टर ने संबंधित सिरप का उपयोग जारी रखा। 18 दिसंबर 2023 की स्वास्थ्य महानिदेशालय की गाइडलाइन के बाद भी 4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यह दवा देना गंभीर लापरवाही है। अपराध गंभीर प्रकृति का है, जांच अधूरी है और अभियुक्त साक्ष्य प्रभावित कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल बस ने साइकिल सवार युवक को कुचला

ग्वालियर। ग्वालियर में काम से लौट रहे साइकिल सवार युवक को तेज रफ्तार आ रही स्कूल बस के चालक ने टक्कर मार दी। घटना हजीरा थाना क्षेत्र के मल्लगढ़ा चौराहे पर मंगलवार की शाम की है। घटना के बाद आरोपी चालक अपना वाहन छोड़कर भाग निकला। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी बस चालक की तलाश की जा रही है। शहर के हजीरा थाना क्षेत्र के चंदनपुरा निवासी 28 वर्षीय बृजेंद्र सिंह राजावत पुत्र दिग्विजय सिंह अटल बिहारी वाजपेयी ट्रिपल आईटीएम संस्थान में ठेकेदारी में काम करता है। मंगलवार की शाम वह काम खत्म कर साइकिल से वापस घर आ रहा था। अभी वह मल्लगढ़ा चौराहे पर पहुंचा ही था कि तभी तेज रफ्तार आ रही सेंट जॉन बियोनी स्कूल की बस के चालक ने लापरवाही से अपना वाहन चलाते हुए बृजेन्द्र की साइकिल में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर काफी तेज थी और बृजेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

जबलपुर में तेज रफ्तार कार पलटी, युवक बाल-बाल बचा

जबलपुर। जबलपुर में गोराबाजार थाना क्षेत्र के बिलहरी के पास एक कार का एक्सीडेंट हो गया। मंडला से जबलपुर की ओर आ रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां देखा गया कि कुछ लोग सड़क किनारे पलटी कार से एक युवक को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस को देखकर वह युवक भागने लगा और बाद में दावा करने लगा कि कुछ अज्ञात लोग जबरन उसे कार में बैठाकर ले जा रहे थे। हालांकि, जब पुलिस ने देखा कि युवक नशे की हालत में है, तो उन्हें समझ में आ गया कि वह झूठ बोल रहा है। इसके बाद पुलिस ने कार को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी।

सागर में शादी के तुरंत बाद गहने-नकद लेकर दुल्हन फरार

भाई को पुलिस ने पकड़ लिया..., कहकर पति को थाने के पास ले गई और हुई फरार

सागर ■ निसं

सागर के कैंट थाना क्षेत्र में लुटेरी दुल्हन का मामला सामने आया है। रिश्तेदार के माध्यम से बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे की शादी कराई। बहू घर आई, लेकिन रात में ही गहने और नकद रुपए लेकर भाग गई। मामले में पीड़ित परिवार ने थाने पहुंचकर शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

कैंट थाने के सदर बाजार क्षेत्र में रहने वाली 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने शिकायती आवेदन में बताया कि उनके बेटे की शादी के लिए लड़की तलाश रहे थे। इसी बीच मेरे रिश्तेदार राजू यादव निवासी मेढ़की ने एक रिश्ता बताया। 31 अगस्त को मेरे घर राजू अपने साथ उक्त लड़की को लेकर आया। जिसका नाम आरती यादव होना बताया गया। उसके साथ लड़की का कथित भाई रामनाथ भी था। घर पर लड़का और लड़की ने एक-दूसरे को पसंद कर लिया। रिश्ता पक्का होने पर राजू ने कहा कि लड़की पक्ष की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।

दोनों पक्षों की शादी का खर्चा आपको ही उठाना पड़ेगा। उसी समय ओली फलदान का कार्यक्रम किया गया। जिसमें मैंने 31 हजार रुपए और चांदी के पायल आरती को दी। इसके बाद 12 सितंबर को मेरे घर पर मेरे लड़के और आरती की शादी हिन्दू रीति रिवाज से कराई। लड़का-लड़की ने एक-दूसरे को माला पहनाकर शादी की रस्म पूरी की। उस समय घर पर आरती का भाई रामनाथ और राजू भी मौजूद थे। इस दौरान आरती को नेग के रूप में 50 हजार रुपए नकद, सोने का हार, चांदी की करधौनी, एक सोने के पैंडल का मंगलसूत्र दिया।

इसी दौरान बेटे ने बताया कि आरती मेरे साथ पति-पत्नी जैसे संबंध नहीं बनने दे रही थी। वह मुझसे दूर भाग रही थी। मेरे और बेटे के साथ शादी के नाम पर ठगी की गई है। शिकायत पर पुलिस ने मंगलवार को मामला जांच में लिया है। कैंट थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि शिकायत पर जांच करते हुए मामला दर्ज किया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बाइक पर बैठकर घर जाने का बोला, मगर आई नहीं

शिकायत में महिला ने बताया कि बेटे ने मुझे बताया कि 14 सितंबर की रात करीब 11.30 बजे आरती ने कहा कि मेरे भाई रामनाथ का मुझे फोन आया है। उसे पुलिस ने पकड़ लिया है। जिस पर हम दोनों उनसे मिलने के लिए कैंट थाने पैदल गए थे। थाने के बाहर थोड़ी दूरी पर रामनाथ बाइक लेकर खड़ा था। वहां से तीनों थोड़ी दूर गए। जहां आरती बोली कि मैं बाइक से घर तल चली जाती हूं। तुम पैदल आ जाओ। जब बेटा घर आया तो आरती और उसका भाई नहीं मिले। संदेह होने पर घर में देखा तो आरती को दिए 81 हजार रुपए नकद, सोने का हार, करधौनी, मंगलसूत्र, पायल नहीं थे।

ग्वालियर व्यापार मेला: शिल्प बाजार का आवंटन

मेले में 20 ऑटोमोबाइल कारोबारियों ने दुकानों का ऑनलाइन पंजीयन कराया

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर व्यापार मेले की दुकानों के ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दिन 14 अक्टूबर को मेले के ऑटोमोबाइल सेक्टर के कारोबारियों का जमावड़ा मेला प्राधिकरण कार्यालय में लगा रहा। जिनके द्वारा मेले की बकाया राशि जमा कर दुकानों का ऑनलाइन पंजीयन कराया गया।

मेला प्राधिकरण के सचिव सुनील बाबू त्रिपाठी ने बताया कि 22 दुकानदारों द्वारा 13 लाख 24 हजार 593 रुपए की राशि जमा कर एनओसी प्राप्त कर ली गई है। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल सेक्टर में दुकान आवंटन हेतु 20 दुकानदारों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया गया है। दुकान आवंटन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है। शिल्प बाजार एवं चबूतरों की दुकानों का आवंटन 15 अक्टूबर से प्रारंभ किया जाएगा। जिसकी अंतिम तिथि 5 नवंबर रहेगी।

ग्वालियर व्यापार मेला प्राधिकरण कार्यालय में मंगलवार को बैठक का आयोजन भी किया गया। जिसमें संभागीय उपायुक्त अशोक चौहान, मेला सचिव त्रिपाठी, नगर निगम के जोनल अधिकारी एवं मेला प्राधिकरण के अधिकारीगण उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि मेले में प्रत्येक सेक्टरवार ऑनलाइन आवेदन के लिए एमपी ऑनलाइन के प्रतिनिधि व्यवस्थाएं तय करेंगे। एमपी ऑनलाइन के तहत जमा राशि की रसीद आवेदक एमपी ऑनलाइन से अवश्य प्राप्त करेंगे। इस प्रक्रिया में आवेदक को किसी भी प्रकार की कोई समस्या होती है तो मेला सचिव एवं मेला अधिकारी को आवेदक संपर्क कर उसका निराकरण करा सकेंगे।

वहीं मेला व्यापारी संघ के तमाम पदाधिकारी भी मंगलवार को मेला कार्यालय में जमे रहे और अपनी मांगों को लेकर आक्रोशित नजर आए। ऑटोमोबाइल कारोबारी एवं व्यापारी संघ ने संयुक्त रूप से कहा है कि वे सभी व्यापारियों के हित के लिए एक हैं। एक भी पुराने दुकानदार की दुकान ऑनलाइन की नई प्रक्रिया में न छिने, इसके लिए वे एकजुट हैं।

कांग्रेस ने संविदा सहायक यंत्री को हटाने की मांग की

महिला उत्पीड़न के आरोपों पर उज्जैन संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा

उज्जैन ■ निसं

शहर कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने नगर पालिक निगम में पदस्थ संविदा सहायक यंत्री पीयूष भार्गव को हटाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में संभागायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में भार्गव पर महिला उत्पीड़न और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सेवानिवृत्ति के बाद संविदा पर नियुक्त हुए सहायक यंत्री भार्गव पर पूर्व में भी महिला उत्पीड़न के आरोप लग चुके हैं। नगर पालिक निगम की एक महिला उपयंत्री ने उन पर उत्पीड़न (यौन शोषण) का आरोप लगाया

था, जिसकी शिकायत संबंधित थाने और महिला आयोग में दर्ज कराई गई थी। इस मामले की जांच वर्तमान में नगर पालिक निगम में चल रही है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी और नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने कहा कि तत्कालीन आयुक्त ने पीयूष भार्गव को केवल पर्यवेक्षण के अधिकार दिए थे। हालांकि, बोर्ड और अधिकारियों की कथित शह पर वे अब सिंहस्थ 2028 के सभी कार्यों के कार्यपालन यंत्री बन गए हैं। भार्गव पर सिंहस्थ 1992, 2004, 2016, स्मार्ट सिटी और जवाहरलाल नेहरू मिशन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोप भी हैं, जिनकी जांच चल रही है।

कांग्रेस नेताओं ने संभागायुक्त आशीष सिंह से अनुरोध किया कि नगर निगम की छवि धूमिल करने वाले और सिंहस्थ विभाग के पद पर कथित रूप से अवैध कब्जा जमाए बैठे संविदा कर्मी पीयूष भार्गव को तत्काल सेवा मुक्त कर सभी पदों से हटाया जाए।

नर्मदापुरम में किसान के घर से 2 लाख की चोरी

घर में सो रहा था परिवार, चोरों ने चुराए 2 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर

नर्मदापुरम ■ निसं

नर्मदापुरम जिले के केसला थाना क्षेत्र में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात एक किसान के घर में चोरी की बड़ी वारदात हुई। चोर दरवाजे की कुंडी खोलकर घर के अंदर घुसे और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। चोरी के दौरान घर में किसान और उसका परिवार मौजूद था, लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। सुबह जब परिजन उठे, तब वारदात का खुलासा हुआ।

जानकारी के मुताबिक, फरियादी नर्मदाप्रसाद यादव निवासी ताकू रोड अहीरपुरा केसला किसान हैं। उन्होंने बताया कि बीती रात वे अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। सुबह उठने पर उन्होंने देखा कि कमरे का सामान

बिखरा हुआ था और अलमारी खुली हुई थी। जब अलमारी की जांच की गई, तो सोने-चांदी के जेवर गायब मिले।

चोरी की जानकारी मिलते ही केसला थाना प्रभारी उमाशंकर यादव मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, चोरों ने बड़ी सफाई से वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने दरवाजे की कुंडी खोलकर घर में प्रवेश किया और बिना किसी शोर-शराबे के चोरी को अंजाम दिया। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब दो लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आसपास के संदिग्ध लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि जल्द ही आरोपियों का सुराग मिलने की उम्मीद है। फिलहाल पुलिस टीम अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर रही है। इस वारदात के बाद इलाके में लोगों में डर और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने भी रात के समय गश्त बढ़ाने की मांग की है ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

दो बाइकों की टक्कर में चार लोग घायल

सिलवानी में हुआ हादसा, जिला अस्पताल रेफर

रायसेन ■ निसं

रायसेन जिले के सिलवानी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम एक सड़क हादसा हुआ। बरेली रोड नीगरी मोड़ के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत सिलवानी सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रायसेन जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घायलों की पहचान राधेश्याम (सिमरिया कला), जसमन सिंह (वर्धा बमोरी), कल्लूबाई (सिमरिया) और करण सिंह (सिमरिया) के रूप में हुई है।

ग्वालियर में दुकानें खुलीं, स्कूल-आंगनवाड़ी बंद

अंबेडकर प्रतिमा विवाद पर 4 हजार जवान तैनात; सोशल मीडिया पर भी निगरानी

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को लेकर चल रहे विवाद के बीच शहर में अलर्ट है, लेकिन फिलहाल माहौल पूरी तरह शांत है। लोग अपनी दुकानें खोल चुके हैं। रोजमर्रा की गतिविधियां सामान्य रूप से चल रही हैं।

हालांकि एहतियात के तौर पर आज सभी स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रखे गए हैं। शहर में चार हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात हैं, जो अलग-अलग इलाकों में निगरानी रख रहे हैं। सोशल मीडिया पर नजर रखने के लिए आईटी और क्राइम ब्रांच की टीमें भी एक्टिव हैं। इसके अलावा, शिवपुरी में भी अलग-अलग इलाकों में पुलिस तैनात है।

मंगलवार देर रात पुलिस ने दोनों पक्षों पर एक-एक एफआईआर दर्ज की है, लेकिन यह नहीं बताया गया है कि नाम किन-किन के हैं। हालांकि कुछ सोशल मीडिया पोस्ट वायरल जरूर हुई हैं, लेकिन माहौल बिगड़ने जैसी कोई बात सामने नहीं आई है।

55 यूजर्स को नोटिस, 500 पोस्ट हटवाई: ग्वालियर में लगाई गई धारा 163 का उल्लघंन करने वालों के खिलाफ भी पुलिस ने कड़ाई करना शुरू कर दिया है और ऐसे आधा सैकड़ा यूजर्स को नोटिस जारी कर दिए है। वहीं 500 से ज्यादा पोस्ट हटवाई गईं हैं।

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से दो वर्गों के बीच चल रहे विवाद के बाद जिले में धारा 163 लगाई गई है। शांति भंग करने, समाज में वैमनस्यता फैलाने वाले अकाउंट की साइबर सेल द्वारा जांच की जा रही है।

जांच के बाद पुलिस की साइबर सेल ने 55 सोशल मीडिया अकाउंट चिंहित कर उन्हें नोटिस जारी किए हैं। इन अकाउंट होल्डर ने वैमनस्यता फैलाने वाली पोस्ट शेयर की थी। साथ ही 500 से अधिक भड़काऊ पोस्ट हटवाई गई हैं। कुछ यूजर्स के अकाउंट्स को डी-एक्टिवेट कराने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही चेतावनी दी है कि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधि की तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह टीम लगातार मोबाइल, कंप्यूटर की स्क्रीन पर वायरल वीडियो, पोस्ट को देख रहे हैं। कई यूजर्स तो ऐसे मिले हैं जिन्होंने भड़काऊ पोस्ट अपलोड कर दिया, लेकिन किसी और के कहने पर। जब उनको इसे हटाने के लिए कहा गया तो वह उसे हटा भी नहीं पा रहे हैं।

24 घंटे सोशल मीडिया पर रख रहे नजर

पुलिस की साइबर सेल, आईटी सेल, क्राइम ब्रांच के अलावा तेजतर्रार 100 से ज्यादा जवान व अफसर की टीम द्वारा सभी सोशल साइट पर निगरानी की जा रही है और जो भी इस तरह की अनर्गल पोस्ट कर रहे है, उनके खिलाफ साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं।

सागर में 204 आवासों की जांच में 73 मिले अपात्र

पीएम आवास योजना के मकानों को अवैध ढंग से किराए पर दिया, FIR होगी

सागर ■ निसं

सागर के बाघराज वार्ड में गरीब परिवारों को पक्का आवास देने के लिए बनाए गए आवासों का मंगलवार को नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने निरीक्षण किया। इस दौरान आवासों में अवैध रूप से कब्जा करने, 20 हजार रुपए जमा कर आवासों पर कब्जा करने, आवंटित आवास को किराए पर देने, आवासों को अनधिकृत रूप से विक्रय करने को लेकर अधिकारियों के साथ रहवासियों से चर्चा की। मौजूद लोगों के आधिपत्य संबंधी दस्तावेजों की जांच की गई।

दो दिन में 204 आवासों की जांच की गई। जिसमें 73 अपात्र

किराएदार, 103 पात्र व्यक्ति और 28 निगम आधिपत्य वाले आवास मिले हैं। निगमायुक्त ने जांच के दौरान किराएदारों से चर्चा की, उन्होंने बताया कि प्रतिमाह 1500 से 2000 रुपए किराया दे रहे हैं। निगमायुक्त ने ऐसे सभी आवासों के दरवाजे पर लाल स्याही से अपात्र लिखवाकर संबंधित व्यक्ति का आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जांच के दौरान निगमायुक्त खत्री ने कहा कि शासन ने गरीब परिवारों को स्वयं का पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए बाघराज वार्ड में छत्रसाल नगर कालोनी में आवास आवंटन किए थे।

भोपाल। एम्स भोपाल अपनी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं, जनहितकारी पहलों और चिकित्सा शिक्षा में नवाचार के लिए निरंतर सराहना प्राप्त कर रहा है। इसी क्रम में केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एम्स भोपाल का दौरा किया। एम्स भोपाल पहुंचने पर उनका स्वागत कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) माधवानंद कर तथा उपनिदेशक (प्रशासन) संदेश कुमार जैन ने किया।

प्रदेश सरकार का वोकल लोकल पर फोकस

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आजकल दीपावली के त्योहारी सीजन में बाजार भरे हुए हैं, खूब खरीदारी चल रही है, लोग अलग-अलग रूप से अपने लिए आवश्यक सामान खरीद रहे हैं। साल में सबसे अधिक व्यापक रूप से व्यापार देने वाले इस सीजन में जहां लोकल व्यापारी ऑनलाइन खरीदी की जगह दुकान पर आकर अपने लोकल व्यापारी और बाजार से सामान खरीदने का आग्रह कर रहे हैं तो वहीं प्रदेश सरकार के मुखिया और तमाम मंत्री, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल लोकल वाले मंत्र के तहत छोटे छोटे दुकानदारों, रेहणी ठेले वालों से सामान खरीदने पर जोर दे रहे हैं और खुद भी खरीदारी करते हुए अपना वीडियो बनवाकर वायरल कर रहे हैं। मध्य प्रदेश सरकार छोटे छोटे दुकानदारों को लगातार प्रोत्साहित करती रहती है उसी क्रम में यह एक कदम माना जा सकता है।

ट्रंप की टैरिफ बढ़ौतरी का जवाब वोकल लोकल: पाकिस्तान के आतंकियों के ठिकाने नष्ट करने के लिए भारत द्वारा चलाए गए आपरेशन सिंदूर के बाद बदली वैश्विक परिस्थितियों में जब अमेरिका पाकिस्तान के साथ खड़ा नजर आया और लगातार भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा टैरिफ बढ़ोतरी की गई, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसका जवाब स्वदेशी आंदोलन के साथ वोकल लोकल पर जोर शोर से आवाहन करते हुए दिया।

सीएम डॉ यादव के बाद मंत्री विजयवर्गीय ने किया प्रमोशन

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी आंदोलन के अंतर्गत स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ के स्लोगन के बाद प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव ने गांधी जयंती के अवसर पर खादी प्रतिष्ठान पर जाकर अपने लिए कुर्ते खरीदे और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संदेश दिया। अब एक वीडियो कैबीनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का वायरल हो रहा है जिसमें वह मिट्टी के दीपक बेच रही एक लड़की से उसके सारे दीपक खरीद कर यह संदेश भी दे रहे हैं कि हमे दीपावली की खरीदारी अपने लोकल बाजार और स्थानीय छोटे छोटे दुकानदारों से करनी चाहिए ताकि उनके घर भी त्योहार मने। यह ऑनलाइन खरीदी के साथ साथ विदेशी प्रोडक्ट की निर्भरता से मुक्त करने की सरकारी कवायद है, जो काफी प्रभावशाली सिद्ध हो सकती है अगर प्रशासनिक वाडी बड़े बड़े विदेशी प्रोडक्ट और ब्राण्ड का मोह त्याग दे तो।

संक्षिप्त समाचार

16 साल के नाबालिग द्वारा फांसी लगाने के कारणों की जांच जारी

भोपाल। निशातपुरा थाना इलाके में स्थित करोद के शिवनगर में 16 साल के नाबालिग द्वारा फांसी लगाने के सही कारणो का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। बताया जा रहा किशोर हादसे से दो दिन पहले से स्कूल नही जा रहा था, और अधिकतर घर पर ही गुमसुम रहता था। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शिवनगर निवासी कन्हैयालाल अहिरवार का परिवार मूलत विदिशा जिले का रहने वाला है। यहॉ रहते हुए वह एक दुकान पर काम करते है, वहीं उनकी पत्नि घर पर सिलाई का काम करती है। उनके चार बेटो में सबसे छोटा बेटा 16 वर्षीय अरुण अहिरवार स्कूली छात्र था। रविवार दोपहर घर पर अरुण और उसकी मां अकेले थे। माँ नीचे के कमरे पर सिलाई का काम कर रही थी। इस दौरान उसने बेटे अरुण को आवाज लगाई, काफी देर तक आवाज देने पर भी जब अरुण उसके पास नहीं आया और न ही कोई जवाब दिया तब मां ने सीढियो से ऊपर जाकर देखा तो से बेटे का शरीर फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। आसपास के लोगो की मदद से मॉ ने उसे फौरन ही इलाज के लिये अस्पताल पहुचांया। जहां डॉक्टर ने उसे शुरुआती चेकअप के बाद ही मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनो को सौंपं दिया। जॉच टीम का कहना है की हादसे दो दिन पहले से किशोर स्कूल नहीं जा रहा था, और घर पर ही काफी गुमसुम रह रहा था। पुलिस इस बात की जॉच कर रही है की नाबालिग का कहीं स्कूल में या दोस्तों के साथ किसी प्रकार का कोई विवाद या अन्य तरह घटना तो नहीं हुई जिसके कारण या डर से वह स्कूली नहीं जा रहा था। इसके लिये पुलिस स्कूल प्रबंधन व दोस्तों से पूछताछ करेगी।

असिस्टेंड प्रोफेसर ने अपने घर में फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। नये शहर के कोलार थाना इलाके में बीती सुबह एक असिस्टेंड प्रोफेसर ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल खुदकुशी का कारण साफ नहीं हो सका है, पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार सांई नाथ कॉलोनी में रहने वाले 34 वर्षीय जितेंद्र धाकड़ असिस्टेंड प्रोफेसर थे। अभी संस्कृति विभाग में अटैचमेंट पर चल रहे हैं। उनकी पत्नी छतरपुर में असिस्टेंड प्रोफेसर हैं। दो दिन पहले ही वह अपनी पत्नी से मिलकर भोपाल लौटे थे। बताया गया है कि बीती सुबह करीब 10 बजे उन्होंने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया की उनका मोबाइल बंद है, और शुरुआती जॉच में घटनास्थल की तलाशी के दौरान ऐसा कोई सुराग नहीं मिला जिससे आत्महत्या का कारण साफ हो सके। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिलीप बिल्डकॉन के दफ्तरों पर आईटी विभाग की कार्रवाई जारी

भोपाल। भोपाल में दिलीप बिल्डकॉन के दो दफ्तरों पर सोमवार से शुरू हुई आयकर विभाग की पंजाब की टीम की सर्चिंग की कार्रवाई मंगलवार देर शाम तक भी जारी रही है। गौरतलब है कि अमृतसर से आई इनकम टैक्स टीम भोपाल में कंपनी के दो ठिकानो पर दस्तावेज खंगाल रही है। सूत्रो के अनुसार टीम ने बड़ी संख्या में ऐसे दस्तावेज जब्त किए हैं, जो इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के मैनिपुलेशन और शेयर में गड़बड़ी से जुड़े हैं। बताया गया है कि पंजाब में टैक्स चोरी के मामले में की गई एक कार्यवाही के मामले में दिलीप सूर्यवंशी के लिंक मिले हैं, जिसके आधार पर छापेमारी करते हुए दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप के मालिक दिलीप सूर्यवंशी के चूनाभट्टी स्थित दफ्तर पर सर्चिंग की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर दीपावली से पहले हुआ स्वच्छता मित्रों का सम्मान

स्वच्छता के लिए बने वातावरण से अब शहरों और प्रदेशों में साफ-सफाई के लिए बढ़ी प्रतिस्पर्धा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से स्वच्छता को अपनी महत्वपूर्ण प्राथमिकता बनाया। उनकी इस पहल से स्वच्छता के क्षेत्र में न केवल देश का माहौल बदला अपितु विश्व के कई देशों ने उनकी इस पहल को अनुकरणीय बताया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक रूप से सशक्त देश के रूप में स्थापित हुआ है। अब हमारी पहचान स्वच्छ देश के रूप में होने लगी है। स्वच्छता को दी गई प्राथमिकता से राज्यों के साथ शहरों में भी स्वच्छता के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। राज्य सरकार और प्रदेशवासियों के लिए यह उपलब्धि और गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश देश के प्रमुख स्वच्छतम राज्यों में शामिल है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी का ही नेतृत्व और मार्गदर्शन है जिसके परिणामस्वरूप हमारे नगर-निगम अब मेट्रोपॉलिटन सिटी बनने की ओर अग्रसर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को रवीन्द्र भवन में 5वें राज्य स्तरीय स्वच्छता सम्मान एवं कार्यशाला स्वच्छता समग्र समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा सफाई मित्रों का सम्मान किया। इस अवसर पर स्वच्छता अभियान पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी उपस्थित थीं।

हमें स्वच्छता को संस्कार में लाना होगा -राज्यमंत्री बागरी

नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि हमें आसपास स्वच्छता के साथ मानसिक स्वच्छता को भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। हमें स्वच्छता को संस्कार में लाना होगा और अपने विचार और संस्कार से ही व्यक्ति अपने आसपास की स्वच्छता के लिए सक्रिय होता है। हमें वार्डवार कचरा प्रबंधन सुनिश्चित करते हुए कचरा संग्रहण के लिए सक्रिय होना होगा, तभी शहरों को सुंदर बनाया जा सकेगा। सड़कों और गलियों के साथ-साथ जल संरचनाओं की स्वच्छता को भी प्राथमिकता देनी होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश के नगरीय निकायों को रुपए 7 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश को ग्रीन और क्लीन सिटी वाला प्रदेश बनाने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। स्वच्छता में इंदौर ने नित नए कीर्तिमान गढ़े हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश के उज्जैन, भोपाल और जबलपुर सहित 8 शहरों को स्वच्छता पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। स्वच्छता में मंडला, टीकमगढ़ जैसे 6 छोटे जिलों ने भी स्थान बनाया है। राज्य सरकार का संकल्प है कि हम आने वाले समय में शहरों से लिगेसी वेस्ट को समाप्त करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में स्थान प्राप्त करने पर जबलपुर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर, देवास, इंदौर नगर निगम, शाहगंज नगर परिषद, बुदनी नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों एवं सफाई मित्रों को पुरस्कार प्रदान किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है आज स्वच्छता की विभिन्न कैटेगरी में 64 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। प्रदेश को दीपावली से पहले ही साढ़े 22 हजार करोड़ रुपए की सौगात मिल रही है। आज 10 हजार करोड़ रुपए की नमामि नर्मदे योजना प्रारंभ की जा रही है। अमृत 2 योजना के अंतर्गत 7 हजार करोड़ रुपए की सौगात मिल रही है। मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना की भी शुरुआत हो रही है जो 5 हजार करोड़ रुपए लागत की है। आगामी 3 वर्षों में लगभग 20 हजार करोड़ रुपए की योजनाएं मूर्तरूप लेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ- 2028 उज्जैन का ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है।

हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी थीम पर प्रदर्शित हुए स्वदेशी उत्पाद

दिवाली स्किल्स वाली का स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में हुआ शुभारंभ

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भारतीय परंपरा और आधुनिक कौशल विकास को जोड़ने के उद्देश्य से आज मिसरोद स्थित स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय विशेष स्किल आधारित प्रदर्शनी एवं मेले दिवाली स्किल्स वाली का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि हुजूर विधानसभा के माननीय विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने किया। उनके साथ अन्य अतिथियों में स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलगुरू डॉ. विजय सिंह, कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा, डायरेक्टर एडमिशन्स डॉ. अनुराग कुलश्रेष्ठ और प्रोग्रामर कन्वीनर डॉ. टीना तिवारी उपस्थित रहे। यह आयोजन खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने कहा कि दिवाली केवल दीपों का नहीं, बल्कि स्वदेशी भावना और आत्मनिर्भरता का उत्सव है। इस तरह के आयोजन युवाओं को अपनी परंपरा और कौशल दोनों से जोड़ते हैं। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी का यह प्रयास प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संदेश को सशक्त बनाने वाला है। मैं विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना करता हूँ और आशा करता हूँ कि यहां सीखे गए कौशल से युवा रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर बनाएंगे।

इस वर्ष आयोजन की थीम हर घर स्वदेशी, घर घर स्वदेशी रखी गई है, जिसके अंतर्गत छात्रों और स्थानीय उद्यमियों द्वारा बनाए गए स्वदेशी उत्पादों को विभिन्न स्टॉल्स पर प्रदर्शित किया गया। यह पहल भारतीय कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोलार थाने में अपराधी बेलगाम

टीआई के खिलाफ कांग्रेस ने पुलिस कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

कोलार में इन दिनो अपराधों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसे लेकर कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा से मुलाकात कर उचित कार्यवाही किये जाने को लेकर ज्ञापन सौंपा। पीसी को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है की कोलार थाना क्षेत्र में बीते 2 महीने से कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा रही है, और हाल ही के दिनो में हुई कुछ घटनाएं काफी चिंताजना है।

इन घटनाओं में दो माह पहले रात के समय बंजारी चौराहे पर एक नाबालिग की हत्या किये जाने, आईएएस मंजूषा राय के घर में सामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ किये जाने की बात बताई गई है। साथ ही यह भी कहा गया है की आईएएस के घर में हुई तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जबकि इसकी शिकायत मुख्य सचिव तक हुई और थाना प्रभारी संजय सोनी पर भी उनके द्वारा गंभीर आरोप लगाए गए। वहीं हाल ही में मासूम बच्ची रिया रजक की गोली लगने से हुई हत्या की घटना की जांच रिपोर्ट आज तक नहीं आई और बच्ची के परिजनों को थाना प्रभारी द्वारा कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जाता और ना ही उनका फोन उठाया जाता है। इसके साथ ज्ञापन में बीते दिनों कोलार रोड पर स्थित डी मार्ट के नजदीक बोरी में लाश के टुकड़े मिलने की सनसनीखेज घटना में भी आज तक संतोषजनक कार्रवाई नहीं होने की बात भी लिखी गई है। ज्ञापन में आगे कहा गया है, कि संजय सोनी जब से कोलार थाना प्रभारी बने तब से अपराधों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है, फिर भी वो थाने में जमे हुए हैं।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 168 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एडीएम अंकुर मेश्राम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

छिंदवाड़ा कफ सिरप कांड में कार्रवाई जारी

परासिया में तीन अन्य औषधि विक्रेताओं का लाइसेंस निरस्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिक कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद सरकार एक्शन मोड में है। शासन-प्रशासन इस मामले में लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में परासिया के तीन औषधि विक्रेताओं का लाइसेंस निरस्त किया गया है।

भोपाल की खाद्य एवं औषधि निरीक्षकों के विशेष जांच दल ने छिंदवाड़ा जिले के परासिया स्थित पारस मेडिकल स्टोर, रसेला मेडिकल स्टोर और श्रीवास्तव मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया था। जांच में यह पाया गया कि तीनों मेडिकल स्टोर संचालकों ने दूषित औषधि कोल्ड्रिफ का विक्रय किया और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के विरुद्ध गलत बिल जारी किए गए। इस पर जांच दल ने तीनों मेडिकल स्टोर्स का लाइसेंस निरस्त कर दिया। वहीं आदेश की प्रतियां मेडिकल दुकान को सील बंद करने की कार्रवाई की गई है। आपको बता दें कि छिंदवाड़ा और बैतूल में जहरीला कफ सिरप पीने से 25 बच्चों की मौत हुई थी। इस पूरे मामले में फिलहाल जांच पड़ताल जारी है।

भेल भोपाल : एसएमएस यूनियन परिवार का दायरा बढ़ना शुरू

सत्यमेव जयते पैनल के सदस्यों ने एसएमएस यूनियन का थामा दामन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नरेश सिंह जादौन, कैलाश नारायण मालवीय, नारायण बरखानिया ने एसएमएस यूनियन की सदस्यता ली। कार्यक्रम में यूनियन के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ,महामंत्री हेमंत सिंह , कार्यवाहक अध्यक्ष एस के लोधी के द्वारा सभी नए साथियों को माला पहनाकर एसएमएस यूनियन में शामिल किया। इस अवसर पर सत्यमेव जयते पैनल के संयोजक नरेश सिंह जादौन ने कहा की बीएचईई थ्रिफ्ट एंड क्रेडिट एण्ड कोऑपरेटिव सोसाइटी में जो दल बदल हुआ है उसे आहत होकर महालक्ष्मी समूह और सत्यमेव जयते पैनल के साथियों ने एसएमएस यूनियन में शामिल होने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि उनके समक्ष सत्ता और अपने नैतिक मापदंडों में से किसी एक को बचाने का का विकल्प था उन्होंने अपने नैतिक मापदडों को सर्वोपरि मानते हुए थ्रिफ्ट सोसाइटी एवं सीटू यूनियन की सत्ता को ठुकराया है। एसएमएस यूनियन परिवार का दायरा आज से बढ़ना शुरू हुआ है और यह परिवार यूनियन चुनाव 2027 तक विशाल होगा। यह कार्यक्रम एचएमएस यूनियन को नंबर एक बनाने का संकल्प है हमारे और भी साथी एसएमएस परिवार में जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि थ्रिफ्ट सोसाइटी में सभी यूनियन के द्वारा जो दलदल मचाया गया है एसएमएस यूनियन उसमें भागीदार नहीं हैं। इसलिए हम सब साथियों ने एसएमएस परिवार में शामिल होने का निर्णय लिया है और सैकड़ों साथियों के साथ एचएमएस यूनियन में शामिल हुए इस कार्यक्रम में ऐबू यूनियन के सदस्य सुनीता चौहान ने भी एसएमएस की सदस्यता ली उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकार और आवाज उठाने के लिए सम्मुख आना पड़ेगा और महिलाओं के मुद्दों को महिला ही अच्छे से उठा सकती है इसी भावना के साथ आज मैंने एसएमएस यूनियन जॉइन की भविष्य मेरे और भी साथी यूनियन में शामिल होंगे। एचएमएस यूनियन के महामंत्री हेमंत सिंह ने कहा कि आज खुशी की बात है हमारी यूनियन में इतने सारे साथी शामिल हुए हैं मैं इस अवसर पर घोषणा करता हूं कि नरेश सिंह जादौन को वरिष्ठ सचिव,कैलाश नारायण मालवीय की उपाध्यक्ष एवं महालक्ष्मी समूह के अध्यक्ष नारायण बरखानिया को उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया जाता है। यूनियन चुनाव 2027 की तैयारी एसएमएस यूनियन ने प्रारंभ कर दी है और हम सभी मिलकर नेताजी का सपना पूरा करेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि एसएमएस यूनियन सभी नए साथियों का स्वागत करती है एवं कर्मचारियों की लड़ाई और अधिक संघर्ष और तन्मयता से लड़ी जाएगी। निश्चित ही निकट भविष्य में एसएमएस यूनियन एक नंबर यूनियन बनने की ओर आगे बढ़ेगी। कार्यक्रम का आभार और संचालन एसएमएस यूनियन के कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेश कुमार लोधी ने किया।

दूध-मावा की रोजाना होगी जांच, कलेक्टरों को निर्देश

दिवाली पर मिठाइयों में मिलावट रोकने अफसर सतर्क

भोपाल ■ अमृत दर्शन

दिवाली के त्योहार पर खाद्य सामग्री में मिलावट की आशंका को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है। खासतौर पर दूध, मावा, मिठाई और अन्य खाद्य उत्पादों की जांच के लिए फूड सेफ्टी विभाग ने व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। फूड कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने राज्यभर के सभी कलेक्टरों को पत्र भेजते हुए कहा है कि हर दिन सैंपलिंग की जाए और मिलावटी सामान पर सख्त कार्रवाई की जाए।

भोपाल में जांच शुरू, ट्रेन और बाजारों पर नजर: फूड कंट्रोलर के निर्देश के बाद भोपाल में टीमें फील्ड में उतर चुकी हैं। होटल, रेस्टोरेंट, डेयरी, मिठाई की दुकानों के साथ-साथ ट्रेनों में भी नजर रखी जा रही है। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी ग्वालियर-चंबल से अमानक मावा आने की आशंका जताई जा रही है, जिस पर खास निगरानी रखी जा रही है।

खाद्य सुरक्षा कानून का पालन जरूरी: जारी पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 और विनियम 2011 का सख्ती से पालन कराया जाए। मिलावट की रोकथाम के लिए नियमित निरीक्षण किए जाएं। जहां भी खाद्य सामग्री में मिलावट या संदिग्ध उत्पाद मिलने की आशंका हो, वहां तत्काल नमूने लेकर जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही अवैध रूप से खाद्य सामग्री बनाने वाले कारखानों पर भी विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। फूड सेफ्टी विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि मिठाई या अन्य खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी निर्माण तिथि, एक्सपायरी डेट, ब्रांड और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। अनपैक्ड या संदिग्ध वस्तुएं खरीदने से बचें और मिलावट की आशंका होने पर संबंधित विभाग को सूचित करें।

अनमोल वचन

यदि आप वही करते हैं, जो आप हमेशा से करते आये हैं तो आपको वही मिलेगा, जो हमेशा से मिलता आया है।
टोनी रॉबिंस

एक चीज़ मैंने देखी है जब आप प्यार करते है दर्द की सीमा तक तो वो दर्द नहीं रहता बस प्यार बढ़ता जाता है।
मदर टेरेसा

सम्पादकीय

शताब्दी वर्ष में संघ की छवि पर सवालिया निशान

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने शताब्दी वर्ष के उत्सवों की तैयारियों में व्यस्त है। इसी बीच केरल से आई एक दर्दनाक खबर ने संघ की छवि पर गहरा आघात किया है। संघ से जुड़े 25 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल आनंदु ए.जी. की आत्महत्या ने न केवल संगठन के नैतिक मूल्यों पर सवाल उठाए हैं, बल्कि संगठन के अंदर चल रहे क्रियाकलापों को उजागर करने जैसा काम किया है। समाज में चरित्र निर्माण के नाम पर चल रही गतिविधियों की समीक्षा जरूरी हो गई है। आनंदु की मौत को महज आत्महत्या कह देना आसान नही है। यह आत्महत्या संघ से जुड़े हुए व्यक्ति द्वारा की गई है, जो सुसाइड नोट लिखा गया है उसमें जो व्यथा लिखी है, उसके पीछे छिपी कहानी समाज को असहज करती है। अपने दस पन्नों के सुसाइड नोट और इंस्टाग्राम पोस्ट में उसने जो बातें लिखीं हैं, वह किसी भी संवेदनशील नागरिक की आत्मा को झकझोरने के लिए पर्याप्त हैं। सुसाइड नोट में उसने आरोप लगाया कि बचपन से ही संघ के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा लगातार यौन शोषण का शिकार बनाया गया। यह आरोप भयावह है। आनंदु के अनुसार, यह शोषण संघ के प्रशिक्षण शिविरों, आईटीसी और ओटीसी में सतत हुआ। जहाँ बच्चों को 'संस्कार' और 'देशभक्ति' सिखाने का दावा संघ द्वारा किया जाता है। यह घटना आरएसएस संगठन के लिए एक त्रासदी से कम नहीं है। संघ की संस्थागत संस्कृति पर सवाल खड़ा हो रहा है। संगठन दशकों से व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का नारा देता आया है। यदि उसके भीतर बच्चों और युवाओं के यौन शोषण के आरोप लग रहे हैं, तो वास्तव में संघ को अपने मूल्यों और अनुशासन को लेकर जवाबदेही तय करना बड़ा मुश्किल हो गया है। ऐसे में पालन करता, संघ को इन आरोपों पर चुप्पी नहीं, बल्कि पारदर्शिता के साथ सामना करना होगा। इस मामले में संघ ने अपने एक बयान में कहा है, स्वयंसेवक की मौत दुखद है। उनका परिवार अनेक सालों से संघ से जुड़ा हुआ है। संघ ने इन्जीनियर की मौत और सोसाइड नोट के जांच की मांग की है। संघ ने सभी आरोपों की निराधार बताया है। केरल के राजनीतिक दल, वाम मोर्चा और कांग्रेस ने भी उच्चस्तरीय जांच की मांग की है, जो उचित है। किसी भी संगठन की विश्वसनीयता उसकी जवाबदेही से तय होती है। संघ स्वयं को निर्दोष बता रहा, इसलिए उसने आगे आकर स्वयं निष्पक्ष जांच की मांग कर दीं है। यदि जांच में सच्चाई सामने आती है, इससे पीड़ितों को न्याय मिलेगा। संघ से जुड़े संगठनो की साख भी बनी रहेगी। इस मामले का एक और चिंताजनक पहलू यह है, कि मुख्यधारा का मीडिया इसे गंभीरता से नहीं उठा रहा। नेशनल मीडिया पर इसे दबाया जा रहा है, जिसके कारण संघ की छवि पर इसका विपरीत असर पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर यह प्रश्न बार-बार उठाया जा रहा है। ऐसे मामलों में बड़े चैनल और अखबार चुप क्यों हैं? संघ से जुड़ी इस खबर पर चुप्पी यह बताती है, 卐सत्ता समीकरण卐 और 卐विचारधारात्मक झुकाव卐 मीडिया ओर समाचार मूल्यों को प्रभावित कर रहा है। आम जनता के बीच इसका अच्छा संदेश नहीं जा रहा है। संघ कार्यकर्ता आनंदु के शब्द- 卐मेरा जीवन ही मेरा सबूत है।卐 किसी भी समाज के लिए आत्ममंथन का इससे बड़ा कोई कारण नहीं हो सकता है। यह घटना एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं है, बल्कि उस सामूहिक भय और मौन का प्रतीक है, जो शक्तिशाली संगठनों के भीतर पलता है। एक युवा जिसने देशभक्ति और नैतिकता के संस्कार सीखने के लिए किसी संगठन से दो दशक तक जुड़ा रहा, अंततः खुद को इतना असहाय पाता है, कि वह जीवन समाप्त करने का निर्णय ले लेता है। यह सामूहिक असफलता का प्रतीक है। यह घटना सभी सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों के लिए एक चेतावनी भी है। वे आत्म निरीक्षण करें। किसी भी संस्था का उद्देश्य तब तक पवित्र नहीं माना जा सकता, जब तक वह अपने भीतर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित ना करे। बच्चों और युवाओं के प्रशिक्षण स्थलों में भय, शोषण या दमन की संस्कृति होगी, तो वहां से निकलने वाले 'संस्कार' समाज को किस तरह का संदेश देंगे। आनंदु की मौत ने एक गंभीर सवाल छोड़ दिया है। क्या राष्ट्रनिर्माण की राह में इंसानियत और नैतिकता की बलि दी जा सकती है? इस प्रश्न का उत्तर केवल संघ को नहीं, वरन पूरे देश को देना होगा। आरएसएस अपने शताब्दी वर्ष में इस घटना को आत्म मंथन का अवसर माने। यह घटना संगठन की कार्य प्रणाली में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। यदि यह घटना राजनीतिक बयानबाजी और संस्थागत चुप्पी में दबा दिया गया, तो इससे संघ की छवि धूमिल होगी। अच्छी बात यह है कि संघ ने भी जांच की भांग की है। केरल सरकार को इस मामले में निष्पक्ष जांच करके एक-एक परत को उजागर करना होगा।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मों को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

दिवाली-छठ पूजा के लिए घर जाने के लिए ट्रेन में बढ़ती भीड़ से यात्री परेशान

कांतिलाल मांडोत

रोजगार ढूंढने आने वाले व्यापारी वर्ग, उधोगपतियों और श्रमिको को घर जाने पर आवागमन की सुविधा नही मिलती है। सूरत शहर में कपड़ा, डायमंड उधोग से जुड़े मजदूर वर्ग को दिवाली वैकेशन का इंतजार रहता है। सिल्क सिटी और डायमंड नगरी के नाम से प्रख्यात सूरत में लाखों प्रवासी श्रमिक हर साल त्योहारों में अपने वतन परिवारों के पास पहुंचते है।

गुजरात मे सूरत उधोग और डायमंड उधोग में रोजगार के लिए उतर भारत के लोगो की संख्या करीब 15 लाख तक पहुंच गई है। दिपाली, छठ पूजा और बिहार चुनाव तीनो अवसर एक साथ आ जाने से सूरत सहित सूरत के उधना स्टेशन पर अप्रत्याशित भीड़ उमड़ रही है। दिवाली और छठ पूजा में गिनती के दिन बाकी है। उसी तरह मुम्बई से उदयपुर, भीलवाड़ा, चितौड़गढ़ वाया अहमदाबाद से जाने वाली ट्रेन की कमी का खामियाजा सात लाख प्रवासी भोग रहे है। स्टेशन पर जगह जगह पर अफरातफरी का माहौल है। ट्रेनों में सीट पाने के लिए धक्का-मुक्की की नौबत आ रही है। कई लोग शौचालय में बैठकर सफर कर रहे है। रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के लिए इन्तजाम किये गए है। स्टेशन पर हर कोने पर सीसीटीवी की निगरानी है। लेकिन आलम यह है कि हर बार की तरह यात्री इस बार भी बहुत परेशान हो रहे है। भीड़ वाले हिस्सो में सर्विलांस भी किये गए है। दिवाली अवकाश को लेकर उतर प्रदेश, बिहार, झारखंड और ओडिसा सहित राजस्थान रवाने होने वाले यात्रियों की उधना रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिली है। देश भर में 12 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। जो 15 नवम्बर तक जारी रहेगी। स्पेशल ट्रेन का सफर फेस्टिवल तक सुविधा उपलब्ध की जा सकती है। लेकिन मुम्बई उदयपुर के लिए प्रतिदिन एक भी ट्रेन उपलब्ध नही है। उदयपुर के लिए साप्ताहिक तीन दिन ट्रेन चलती है। इसके लिए उधोग जगत से जुड़े हुए उधोगपतियों ने रेलवे मंत्री से भी गुहार लगाई है। लेकिन रेल सेवा उपलब्ध नही हुई। मेवाड़ प्रवासियों की संख्या 8 लाख है। मुम्बई और सूरत में कपड़ा उधोग और डायमंड उधोग से जुड़े व्यापारियों और श्रमिको को हररोज बतौर आवागमन करना पड़ता है। सूरत से मेवाड़ के लिए सीधी निजी बसों की सुविधा है। सरकार की एक भी बस सूरत से उदयपुर के लिए नही है। ऐसे हालात में प्रवासियों को बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ता है। उतर भारत का भी यही आलम है। अहमदाबाद पटना स्पेशल ट्रेन 1 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक, सप्ताह में दो बार चलेगी। सूरत दरभंगा हर तीन दिन में एक ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। बांद्रा टर्मिनल गोरखपुर स्पेशल छठ की पूर्व संध्या पर विशेष ट्रेन, वापसी की व्यवस्था सहित चलाई जा रही है। लेकिन इसके बावजूद सूरत से जाने वालों की संख्या इस बार लाखो है। तब सवाल उठता है कि बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। विशेष ट्रेनों के बजाय नियमित अनरिजर्व्ड ट्रेनों की व्यवस्था की घोषणा की है। फिर भी यात्रियों की संख्या बहुत अधिक है कि अतिरिक्त ट्रेनें भी कम पड़ रही है। यात्रियों से अपील की जा रही है कि शांति बनाए रखे। टेक्सटाइल उधोग और डायमंड उधोग का प्रमुख केंद्र है। जहाँ बड़ी संख्या में उत्तरभारतीयों और राजस्थान सहित मेवाड़ उदयपुर के प्रवासी है। ये प्रवासी कपड़े की मिलो में काम करते है। जहां से अरबो रुपये का राजस्व रेलवे और केंद्र सरकार को जाता है। लेकिन परिवहन सेवा के लिए आज भी लाखों प्रवासी झुंझ रहे है। सरकार सुनती नही है। कई बार उदयपुर के लिए मेवाड़ रेल चलाओ अभियान की मुहिम चला कर ज्ञापन प्रेषित किया जा चुका है। लेकिन इन प्रवासियों की मांगे मंजूर नही की जा रहीं है। सूरत पर सरकार को आवागमन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उदयपुर मेवाड़ के लिए मुम्बई और सूरत से वाया अहमदाबाद होकर गुजरने वाली एक भी प्रतिदिन चलने वाली ट्रेन की सुविधा नही है। प्रवासी यात्रियों की पीड़ा काश कोई अनुभव कर सकता तो निश्चित ही ट्रेन सुविधा उपलब्ध करा दी गई होती। उत्तरभारत के दिवाली, छठ और बिहार चुनाव के इस संगम को ध्यान में रखते हुए रेलवे मंत्रालय विशेष ट्रेन की सुविधा दिवाली के पूर्व उपलबन्ध करानी होगी, तभी लोगो का आवागमन सुलभ हो सकता है। उधना में होर्डिंग एरिया में सैकड़ो श्रमिक एकट्ठा हुए हैं। जबकि लाइन लगाकर ट्रेन में बैठने के लिए जान पड़ता है। यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए स्थाई समाधान कराया जाए। क्योंकि छठ, पूजा और बिहार चुनाव में सुविधा उपलब्ध हो सकती है। लेकिन उदयपुर मेवाड़ के लिए कई बार ट्रेन उपलबन्ध कराने की मांग स्वीकृत नही हुई है। सूरत से उदयपुर के लिए सप्ताह में तीन दिन यात्रियों को सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। वह नाकाफी है। सूरत से निजी बसों का संचालन है। वे मनमाफिक किराया वसूल कर रहे है। सीजन में डबल स्लीपर की रेट उदयपुर के लिए तीन हजार तक मुकर्रर की जाती है। लेकिन उसके बाद भी प्रवासियों को परेशान होना पड़ता है। प्रवासियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर ट्रेन सुविधाओं पर रेल मंत्रालय ध्यान आकृष्ट कर सुविधा उपलब्ध कराई जाए। देश मे 12 हजार स्पेशल ट्रेन शुरू की गई है। लेकिन सूरत में तो ऊंट के मुह में जीरा वाली कहावत ही चरितार्थ होती दिखाई दे रही है। उदयपुर, चितौड़गढ़ के बीच सूरत से दूरिया कम होने के कारण यात्रियों का आवागमन होता ही रहता है। जबकि उत्तर भारतीय तो सालभर में एक बार घर लौटते है। भीड़ की वजह से परिवार बच्चों के साथ यात्रा करने पर अधिक तकलीफ होती है। धक्का-मुक्की से परेशान बच्चे और मेरारु के लिए पीड़ादायक है। सूरत में होर्डिंग एरिया में पैर रखने की जगह नही है। हालात काबू में करने के लिए रेलवे पुलिस ने मैनेजमेंट की व्यवस्था की है। चप्पे चप्पे पर पुलिसकर्मियों की तैनाती है। होर्डिंग एरिया में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से खड़े रहने और बैठने की व्यवस्था की गई है। अस्थाई सुविधा के लिए बिहार विकास परिषद और सामाजिक संगठनों ने रेलवे सुविधा देने के लिए अपील की गई है। उधर मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के कार्यकर्ताओं ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से गुहार लगाई है। मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के अध्यक्ष सुरेश लौढा ने बताया कि उदयपुर के लिए हररोज दो ट्रेन की आवश्यकता है। जिसको प्रतिदिन मुम्बई से वाया अहमदाबाद होकर उदयपुर और मावली तक सेवा दी जानी चाहिए, जिससे समस्या का समाधान हो जाएगा। मुम्बई से 750 की दूरी है। जबकि उदयपुर सूरत की 450 किमी की दुरी है। यहां से हर रोज लोगो का आवागमन होता है। दरअसल, उत्तरभारत के लिएभी ट्रेन सुविधा उपलब्ध कराई जानीही चाहिए। लेकिन उनके लिए फेस्टिवल ट्रेन का बहुत महत्व है। क्योंकि उनको हररोज उत्तरभारतीयों को नही जाना होता है। ट्रेन में इस वक्त सवार होना किसी जंग से कम नही है। धक्का मुक्की कर ट्रेन में प्रवेश भी कर दिया तो अंदर जाकर खड़ा ही रहना पड़ता है। जिससे किसी अनहोनी को नजरअंदाज नही किया जा सकता है। दिवाली महापर्व और उसके बाद बिहार-उत्तर प्रदेश में छठ के त्योहार पर कंफर्म रेल टिकट की मारामारी के चलते प्रवासियों के लिए घर जाना मुश्किल हो रहा है। मध्यप्रदेश राजस्थान छत्तीसगढ़ और गुजरात से बिहार-उत्तर प्रदेश जाने तथा दक्षिण भारत से इन प्रदेशों में आने वाली प्रमुख ट्रेनों में नवंबर के दूसरे सप्ताह तक कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा। सूरत में उधोग से जुड़े श्रमिकों के लिए उत्तरप्रदेश, बिहार, छतीसगढ़, राजस्थान, एमपी आदि राज्यों के लिए ट्रेन सुविधाए उपलब्ध कराए, जिससे श्रमिको को आवाजाही में परेशानी नही हो सके।

मिसाइल मैन .डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

संजय गोस्वामी

डॉ कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था. वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिंडेट भी कहा जाता था उनका मानना था कि शइंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैंश. ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे.एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ.

अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है. 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया. सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े. अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका. 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, क्त्क्क् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए. इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्याद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थे।ष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहे।उन्होंने आई. आई. आई. टी. हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढाया था।कलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए व्हाट कैन आई गिव' पहल की शुरुआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार (2003 – 2004) 'एम.टी.वी. यूथ आइकॉन ऑफ़ द इयर अवार्ड' के लिए मनोनित भी किया गया था।वर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म 'आई ?म कलाम' उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं. जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रही.इन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान-द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई।!सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देतेश. ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे. किये।27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रहश् पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6रू30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गई। जिसके बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ अब्दुल कलाम परलोक सिधार गए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भगवान राम के बारे में शोध किया था, खासकर रामायण काल के हथियारों और रामसेतु जैसे विषयों पर। वे भारतीय संस्कृति और साहित्य में गहरी रुचि रखते थे और रामसेतु पर शोध को आधुनिक हथियारों के विकास में मददगार मानते थे। उनका मानना था कि रामेश्वरम में रहने और पिता के साथ मंदिर जाने के कारण भगवान राम के प्रति उनकी विशेष श्रद्धा थी। शोध और रुचि- डॉ. कलाम रामायण काल के अस्त्र-शस्त्रों पर शोध करने में रुचि रखते थे, यह मानते हुए कि इससे आधुनिक हथियारों के विकास में मदद मिल सकती है। खासकर, भीड़ नियंत्रण के लिए सम्मोहन अस्त्र जैसे विषयों पर उनका शोध था। रामसेतु उन्होंने रामसेतु के बारे में भी शोध किया था और इसका संबंध उस समय से जोड़ा था जब समुद्र स्तर लगभग झ(28झ) मीटर बढ़ा था। आस्था और जन्मस्थान- रामेश्वरम में जन्म और पालन-पोषण के कारण, वह अपने पिता के साथ अक्सर रामेश्वरम मंदिर जाते थे। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन अब्दुल कलाम जिन्होंने भारत का सर्वोच्च पद संभाला, जिन्हें देश का सर्वोच्च सम्मान मिला। लेकिन उन्होंने कभी अपने पद की शक्ति का अहंकार नहीं किया। वो हमेशा लोगों की सेवा के लिए तत्पर रहते थे। उन्होंने देश सेवा और लोगों की सेवा को ही अपना पहला और अंतिम लक्ष्य बना लिया था और उसी पथ पर वो जीवनभर चलते रहे। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन अब्दुल कलाम के जिन्होंने अपने जीवनकाल में कई ऐसे अनमोल और प्रेरणादायी वचन कहे हैं। जिन्हें अगर आप आत्मसात कर लें यानी अपनी आत्मा में बिठा लें तो यकीन मानिए इससे आपका भविष्य तो उज्ज्वल होगा ही, साथ ही आपके जीवन को भी ये बेहतर बना देगा। मिसाइलमैन अब्दुल कलाम के 10 अनमोल और प्रेरणादायी वचन।

पारंपरिक चिकित्सा की बढ़ती प्रासंगिकता

प्रतापराव जाधव

जलवायु परिवर्तन और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के दौर में प्राचीन चिकित्सा पद्धति स्थायी स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान कर सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार, इसके 88 प्रतिशत सदस्य देशों - 194 देशों में से 170 - में पारंपरिक चिकित्सा का प्रचलन है। विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, यह चिकित्सा प्रणाली अपने सुलभ और किफायती सेवा के कारण अरबों लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवा का प्राथमिक रूप बनी हुई है। तथापि, इसका महत्व उपचार से आगे बढ़कर जैव विविधता संरक्षण, पोषण सुरक्षा और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देने तक विस्तृत है। व्यापारिक रुझान दिखाते हैं कि लोग इसे तेजी से अपना रहे हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा बाजार 2025 तक 10 प्रतिशत -20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 583 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। चीन का पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र 122.4 अरब डॉलर, ऑस्ट्रेलिया का हर्बल औषधि उद्योग 3.97 अरब डॉलर और भारत का आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा एवं होम्योपैथी (आयुष) क्षेत्र 43.4 अरब डॉलर के मूल्य का है। यह विस्तार स्वास्थ्य सेवा दर्शन में एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है - प्रतिक्रियात्मक उपचार मॉडल से सक्रिय, निवारक दृष्टिकोणों की ओर, जो केवल लक्षणों के बजाय मूल कारणों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। भारत का आयुर्वेदिक परिवर्तन भारत के पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। 92,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों वाले आयुष उद्योग का एक दशक से भी कम समय में लगभग आठ गुना विस्तार हुआ है। विनिर्माण क्षेत्र का राजस्व 2014-15 के 21,697 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 1.37 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि सेवा क्षेत्र ने 1.67 लाख करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। भारत अब 150 से ज्यादा देशों को 1.54 अरब डॉलर मूल्य के आयुष और हर्बल उत्पादों का निर्यात करता है और आयुर्वेद को कई देशों में एक चिकित्सा पद्धति के रूप में औपचारिक मान्यता मिल रही है। यह वैश्विक मंच पर आर्थिक अवसर और सॉफ्ट पावर, दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (2022-23) द्वारा आयुष पर किए गए पहले व्यापक सर्वेक्षण से लगभग सार्वभौमिक जागरूकता का पता चलता है - ग्रामीण क्षेत्रों में 95 प्रतिशत और शहरी केंद्रों में 96 प्रतिशत। पिछले वर्ष आधी से ज़्यादा आबादी ने आयुष प्रणालियों का उपयोग करने की जानकारी दी थी और आयुर्वेद कायाकल्प और निवारक देखभाल के लिए पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरा है। वैज्ञानिक मान्यता, वैश्विक विस्तार भारत ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान और केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद सहित कई संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान में महत्वपूर्ण निवेश किया है। ये संस्थान नैदानिक सत्यापन, औषधि मानकीकरण और एकीकृत देखभाल मॉडल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ जोड़ते हैं। आयुष मंत्रालय की अंतर्राष्ट्रीय सहयोग योजना के माध्यम से भारत की वैश्विक आयुर्वेद पहुँच ने अभूतपूर्व स्तर हासिल किया है। भारत ने 25 द्विपक्षीय समझौतों और 52 संस्थागत साझेदारियों पर हस्ताक्षर किए हैं, 39 देशों में 43 आयुष सूचना प्रकोष्ठ स्थापित किए हैं और विदेशी विश्वविद्यालयों में 15 शैक्षणिक विभागों की स्थापना की है। भारत में डब्लूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत सरकार से समर्थन प्राप्त इस केंद्र का उद्देश्य आधुनिक विज्ञान, डिजिटल स्वास्थ्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से पारंपरिक चिकित्सा की क्षमता का उपयोग करना है।

खास बात

लक्ष्मी पुत्रों के खिलाफ रामराज में कार्रवाई संभव नहीं

भारत की 140 करोड़ की आबादी है। 33 करोड़ देवी देवता हैं। भारत में गिने चुने लक्ष्मी पुत्र हैं। ऐसे में लक्ष्मी पुत्रों की अवहेलना कैसे हो सकती है। सारी शान शौकत तो लक्ष्मी पुत्रों के अनुसार ही देवी देवताओं और राजा महाराजाओं की होती है। उन पर कोई कार्रवाई हो, यह कैसे संभव है। आम जनता उनके खिलाफ क्रांति करे, भी तो कैसे करे। 1917 में रूस में जार क्रांति हुई थी। वह भी राजा के खिलाफ हुई थी। उस समय के जो लक्ष्मी पुत्र थे।वह तो अपने आपको बचा कर ले गए थे। लक्ष्मी पुत्रों पर ना कभी कोई कार्रवाई हुई है। ना कभी होगी। यही रामराज का सत्य है। सारे हिंदुओं को लक्ष्मी जी के वाहन को याद करके रखना चाहिए।

358 अरबपतियों की संपत्ति 8500 करोड़

भारत की आबादी 140 करोड़ है। हरुन इंडिया की जो रिपोर्ट सामने आई है।उसके अनुसार भारत के 1687 लक्ष्मी पुत्रों की संपत्ति 1000 करोड रुपए से ऊपर है। 358 अरबपतियों की औसत संपत्ति 8500 करोड़ है। भारत जैसे गरीब देश में जहां 80 करोड लोग 5 किलो राशन पर जिंदा है। वहां पर 65 फ़ीसदी संपत्ति कुछ गिने चुने लोगों के पास है। लक्ष्मी पुत्र ही अनादि काल से आज तक देवी देवताओं, राजा महाराजाओं पर राज करते आए हैं। यह राज लोकतंत्र में भी चल रहा है।गरीब अपने कर्मों का फल भोग रहे हैं।यह मानकर सबको संतोष कर लेना चाहिए। जय श्री राम

गरीब और गरीबी कभी क्यों नहीं मरती

वैश्विक व्यापार संधि के कारण सारी दुनिया के देश एक दूसरे के साथ व्यापार कर रहे हैं। खर्च करने के लिए कर्ज भी गरीबों को मिलना शुरू हुआ। यह कोई कम बात नहीं थी।भारत 140 करोड़ की आबादी वाला देश है।यहां की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी के साथ बढ़ने वाली है।इसके बाद भी गरीबों की गरीबी बढ़ती जा रही है।गरीब कम नहीं हो रहे हैं।यह अलग बात है, सरकार के रिकॉर्ड में उनकी आमदनी पहले की तुलना में कुछ बढ़ गई है। जिससे वह गरीबी रेखा की सूची से ऊपर आ गए हैं। आय से ज्यादा महंगाई बढ़ गई है। महंगाई का कोई मानक है। अब लोग कहने लगे हैं, गरीब और गरीबी भगवान का आशीर्वाद है। जो कर्म किए थे, उसका फल भुगतने के लिए तो जन्म लेना ही पड़ेगा। उसके लिए भारत से अच्छी और कौन सी देवभूमि हो सकती है। यहां हमेशा गरीबों की जनसंख्या ज्यादा रही है। लक्ष्मी पुत्र तो हमेशा से ही गिने चुने रहे हैं।

नीतीश अब बड़े भाई नहीं रहे, जुड़वा बन गए

बिहार की राजनीति में एक बड़ा परिवर्तन देखने मे आया है। अभी तक बिहार में नीतीश, बीजेपी के बड़े भाई थे।लेकिन इस विधानसभा चुनाव में नितीश बाबू जुड़वा भाई बन गए हैं।राजनीति में जो ना हो जाए वह कम है। नितीश बाबू के सांसद इस्तीफा देने पर अड गए हैं। नितीश बाबू की पार्टी पर छोटे भाई ने कब्जे की तैयारी कर ली है। जो खेल महाराष्ट्र और उड़ीसा में खेला था।अब वही बिहार में शुरू हो गया है। इसे ही कहते हैं राजनीति, जिस नीति से राज मिले, वही राजनीति हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, कार्तिक कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, नवमी, बुधवार, पुण्य नक्षत्रे, सिद्ध योगे, गर करणे, कर्क की चंद्रमा, भद्रा 49/28 मूल प्रारंभ दिन में 4/36, रोग विमुक्ता स्नान मुर्हूत नवान्न भोजन, औषधि सेवन, व्यापार मुर्हूत तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, धनी-मानी, उत्तम व्यापारी, लेखापाल, वैसशियर, प्रबंधक, पत्रकार, लेखक-कवि होगा।

मेष राशि- भाग्य का सितारा साथ देगा, इष्ट मित्र सहयोगी होंगे, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, मनोबल बनाये रखें, रुके कार्य सूझ-बूझ से बना लें, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

मिथुन राशि- इष्ट मित्रों से परेशानी होगी, कष्ट होगा, मानसिक अशांति से कार्य में बाधा बनेगी, धैर्य अवश्य रखें।

कर्क राशि- मान-प्रतिष्ठा व प्रभुत्व वृद्धि होगी, स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास व समृद्धि के साधन बनेंगे, सुख मिलेगा।

सिंह राशि- कार्यगति अनुकूल रहेगी, सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, साधन-सम्पन्नता के योग बनेंगे ध्यान दें।

कन्या राशि- कुटुम्ब की परेशानी से चिन्ता व व्याग्रता रहेगी, उद्विघ्नता से बचें, कार्य अवरोध संभव है, शांत मन से कार्य करें।

तुला राशि- धन हानि होगी, मानसिक कष्ट होगा, शारीरिक बेचैनी तथा व्यर्थ भ्रमण में समय व धन नष्ट होगा, अपव्यय से बचें।

वृश्चिक राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, अधिकारी वर्ग से लाभ होगा, समर्थन फलप्रद रहेगा, कार्यगति पर ध्यान अवश्य दें।

धनु राशि- कार्य कुशलता से संतोष होगा, दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, समय का ध्यान रखें, कार्यगति का ध्यान रखें।

मकर राशि- दैनिक कार्यगति में सुधार होगा, योजना फलीभूत होगी, रुके कार्य परिश्रम से बनेंगे, कार्य योजना पर ध्यान दें।

कुंभ राशि- विशेष कार्य स्थगित रखें, मानसिक विभ्रम रहेगा किन्तु उद्विघ्नता से बचिये, समय को ध्यान में रखकर आगे बढ़ें।

मीन राशि- कार्य विफलत्व से हानि, प्रयत्न करने पर भी सफलता दिखाई न दे, कार्य अवरोध होगा, सावधानी अवश्य रखें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

15 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

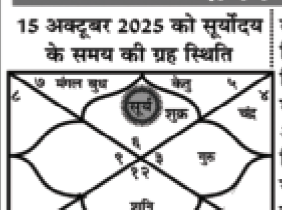

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.11 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	08.25 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.41 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.33 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.06 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.36 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.16 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.15 बजे से
		कर्क	23.28 बजे से
		सिंह	01.44 बजे से
		कन्या	03.56 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2025 वर्ष का 288 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 10.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 12.00 बजे को समाप्त।
योग साध्य 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
करण गर 10.34 बजे तदनन्तर वणिज 22.31 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 32'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872498
जूलियन दिन 2460963.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी
तारीख 22

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

महिलाओं को राशि के अनुसार दें उपहार

हर राशि की महिला का अपना अलग स्वभाव व पसंद होती है। इसलिए महिलाओं को उनकी पसंद के अनुसार उपहार दिये जाने चाहिये। ऐसे में अगर आप किसी लड़की को उसकी पसंद के कपड़े या फैशन की कोई वस्तु देना चाहते हैं, तो उसकी राशि के अनुसार ही दें। इसमें सिर्फ कपड़े ही नहीं अन्य सभी समान भी आते हैं। राशियों के अनुसार महिलाओं की पसंद ऐसी होती है।

मेष राशि– मेष राशि वाली महिलाओं में एक खास खूबी होती है। यह किसी भी नए फैशन ट्रेंड को अपनाने में सबसे आगे रहती हैं। फिर बात चाहे नए तरह के बैग खरीदने की हो या फिर दोस्तों के बीच फैशनेबल दिखने की। मेष राशि की महिलाएं नए ट्रेंड को लेकर काफी साहसी भी होती हैं और नए स्टाइल को लेकर इनमें किसी तरह की झिझक नहीं होती है। इस राशि की महिलाएं लाल रंग को पसंद करती हैं और अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए चमकदार एसेसरीज को अधिक तवज्जो देती हैं।

वृष राशि– इस राशि की महिलाएं ब्रांड और लेबल को लेकर बेहद सजग होती हैं। यह ब्रांडेड और गुणवत्तायुक्त कपड़े खरीदना ही पसंद करती हैं।

मिथुन राशि– इस राशि की महिलाएं काफी मजाकिया और प्यार के प्रति संवेदनशील होने के साथ ही अपने अजीबो–गरीब फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। वह सीजन के साथ बदलते फैशन ट्रेंड को पसंद करती हैं। साथ ही नए तरह के लुक और अलग स्टाईल को भी प्रचलन में लाती हैं और बाद में उन्हें अपना खुद का फैशन बताने लगती हैं।

कर्क– कर्क राशि की महिलाएं परंपरागत और आरामदायक वस्त्रों को पसंद करती हैं। रूढ़ीवादी पसंद के बावजूद इस राशि की महिलाएं अपनी त्वचा पर विशेष ध्यान देती हैं। इस राशि की महिलाएं किसी भी ट्रेंड को ज्यादा समय तक नहीं अपनाती हैं और इनकी पसंदीदा एसेसरीज नेकलेस और मोती है।

सिंह राशि– इस राशि की महिलाएं लक्जरी को पसंद करती हैं। इनके लिए यह जरूरी नहीं कि कपड़े और एसेसरीज महंगे ही हो, पर वह विशिष्ट जरूर हों। इस राशि की महिलाओं की पसंद काफी अच्छी होती है।

कन्या राशि – इस राशि की महिलाएं कभी भी हल्का सा भी मुड़ा हुआ वस्त्र नहीं पहनती हैं। ऐसी महिलाएं रूढ़ीवादी होने के साथ–साथ प्रगतिशील भी होती हैं और इनका फैशन इनके व्यक्तित्व को दर्शाता है। इस राशि की महिलाएं साधारण, अच्छी फिटिंग और एक से अधिक सीजन तक चलने वाले कपड़ों को तवज्जो देती हैं।

तुला–राशि की महिलाएं कपड़ों का चयन करने में थोड़ा समय जरूर लेती हैं, लेकिन उनके सामने फैशन को लेकर कभी भी संकट की स्थिति नहीं होती है। मेकअप की बात करें तो यह हल्का और प्राकृतिक ही होता है।

वृश्चिक राशि– की महिलाओं में फैशन को लेकर खासा क्रेज होता है। इस राशि की महिलाएं ट्रेंड को पसंद करती हैं। उन्हें पता होता है कि उनके लिए क्या अच्छा है और इनके अंदर दिखावे का डर नहीं होता। यह रूप बदलने में माहिर होती हैं।

धनु राशि– की महिलाएं फैशन के बढ़ते प्रचलन की परवाह नहीं करती है। यह फैशन को तभी अपनाती है जब अपने परिवेश में वह उस फैशन को लेकर सहज महसूस करे। धनु महिलाएं मेकअप काफी कम करती हैं और यदा–कदा ही गहनों का प्रयोग करती हैं। इस राशि की महिलाएं साधारण, रूढ़ीमुक्त और निरहंकारी होती हैं।

मकर राशि–इस राशिकी महिलाओं के लिए स्टेटस और इमेज काफी महत्वपूर्ण होता है। जब ये काम पर नहीं होती है तो इनका स्टाईल काफी सामान्य होता है। पर बहुत ज्यादा केजुअल भी नहीं। इस राशि की महिलाएं पहनावे को सफलता से जोड़कर देखती हैं। ऐसेसरीज और आभूषणों पर इस राशि की महिलाएं काफी खर्च करती हैं।

कुंभ राशि– इस राशि की महिलाएं शॉपिंग मॉल से काफी दूर रहती हैं। इसके बजाए यह सस्ते स्टोर से पारंपरिक चीजें खरीदना पसंद करती हैं। ये फैशन फॉलोअर नहीं होती हैं। वहीं करती हैं। उनका अपना व्यक्तिगत स्टाइल होता है। इन्हें वैसे रंग पसंद है जो हल्का हो और बर्बस ही ध्यान खींचते हों। जैसे फिरोजी नीला, गुलाबी और हरा।

मीन राशि और फैशन पानी को कभी भी सीमाएं नहीं पसंद, इसी प्रकार मीन राशि वालों को भी बंदिशें नहीं पसंद। वो हमेशा ग्रेसफुल दिखना चाहती हैं। इस राशि की लड़कियों की एक खासियत यह भी होती है कि ये वही कपड़े पहनती हैं, जिसमें वो कंफर्टेबल महसूस करें।

शादी में जाने की किस प्रकार करें तैयारी

शादी ब्याह का सीजन करीब है। ऐसे में सभी महिलाएं इस सीजन से पहले अपनी खूबसूरती निखारना चाहती हैं। वहीं चेहरे पर पिंपल व ऐक्नें आंखों के नीचे काले घेरे और झुरियां होने के कारण आप संशय में हैं कि इस खास मौके के लिए इतनी जल्दी कैसे तैयार हो पाएंगी या अगर आप बढ़ते वजन के कारण खुद को अलग दिखाने की चाहत पूरी न होनी से परेशान हैं तो कुछ जरूरी बातों पर ध्यान दें। इससे अपनी समस्यें हल जो जाएंगी।

शादी के सीजन में महिलाएं अधिकतर चेहरे की मसाज और फेशियल कराने के लिए बहुत ज्यादा उत्सुक दिखाई देती हैं। उनके बीच एक आम धारणा रहती है कि ये सब कराने से उन्हें ऐंक्नों से राहत मिल जाएगी पर फेशियल और मसाज कराने से ऐक्नों की टेन्डेंसी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। इसलिए मसाज और फेशियल से परहेज करें।

त्वचा को रूखेपन से बचाने के लिए सर्दी के मौसम में भी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इससे चेहरे का ग्लो बना रहता है।

स्किन में साबुन ज्यादा न लगायें। इससे रुखापन आता है।

प्रतिदिन 2 लिटर पानी जरूर पिएं। यह त्वचा की ड्राइनेस और झुरियां दूर करता है।

धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्त्रोत है। इसलिए सुबह 7 बजे से 9 बजे के बीच सनबाथ लेना बहुत लाभदायक है। किंतु इसके बाद धूप में जाने से परहेज करें। ऐक्नों की समस्या होने पर लगभग 3 महीने पहले स्किन विशेषज्ञ से मिलें।

खानपान का हमारी त्वचा पर सीधा असर देखने को मिलता है। इसलिए त्वचा को रूखेपन से बचाने के लिए खीरा, गाजर, मूली और नींबू का इस्तेमाल करें। भूख के अनुसार ही समय पर भोजन करें। खूबसूरती निखारने के लिए सुपर फूड, जैसे– बेरीज और एवोकैडो को अपने डायट में शामिल कर सकते हैं। विटामिन ई से भरपूर फूड लेने से त्वचा खूबसूरत बनेगी। सलाद–फल खाएं और काफी मात्रा में पानी पीएं। इससे आपका वजन तो कम होगा ही, साथ ही त्वचा पर ग्लो भी आयेगा।

जंक फूड का सेवन न करें। इसके अलावा योग और पर्याप्त नींद से भी ताजगी आयेगी।

संतरे का छिलका निखारेगा रंग

संतरा जितना स्वाद में रसीला होता है इसका रस सुंदरता निखारने के लिए उतना ही अच्छा। कई बार (टैनिंग) तेज धूप से त्वचा का रंग काला पड़ना आम समस्या है। विशेषज्ञों का मानना है कि संतरे के इस्तेमाल से रंग काला पड़ने को ठीक किया जा सकता है साथ ही इससे त्वचा का रंग साफ भी होता है। टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए एक बड़ा चम्मच संतरे के छिल्के का पाउडर, एक चुटकी हल्दी, कैलेमाइन पाउडर या चंदन पाउडर और शहद की कुछ बूंदें मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर हल्के हाथों से एक मिनट मलें और इसे पांच मिनट तक लगा रहने दें, फिर इसे पानी से धो लें।

संतरे के रस में सिट्रिक एसिड होता है, जो प्राकृतिक रूप से ब्लीचिंग का काम करता है। अगर आप चाहे तो संतरे के जूस को आइस ट्रे में फ्रीज कर सकती हैं और बाद में फ्रेश लुक के लिए इसे चेहरे पर लगा सकती है।

आप संतरे का गुदा भी चेहरे पर मल सकती हैं। टैनिंग के असर को कम करने के लिए ऐसा नियमित रूप से करें।

संतरे के तत्व से युक्त चेहरे पर लगाए जाने वाले अच्छी कंपनी के सौंदर्य उत्पाद का इस्तेमाल करें। संतरे के छिल्के में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होता है। यह प्राकृतिक क्लिंजर का काम करता है, जबकि शहद त्वचा में निखार लाता है।

दिवाली उपहार सही तरीके से करायें पैक

दिवाली को आने में बस कुछ दिन ही रह गए हैं। इस दौरान महिलाएं उपहारों की पैकिंग में लग जाती हैं। उपहार छोटा हो या बड़ा पैकिंग सही तरह से होनी चाहिए, ताकि यह लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर सके। कुछ पैकर्स बड़ा डिस्काउंट या कोई ऑफर देकर ग्राहकों को लुभाने की कोशिश करते हैं, पर इनसे ग्राहकों को सावधान रहना चाहिए।

किसी भी पैकर्स और मूवर्स का चयन करते समय कुछ बातों को ध्यान में रखना बहुत जरूरी है, अन्यथा बाद में दिक्कतें हो सकती है। इन सावधानियों से फर्जी पैकर्स से बचा जा सकता है।

पैकर्स और मूवर्स वही होने चाहिए जिन्हें एफआईडीआई से मान्यता मिली हो, बिना मान्यता काम कर रहे लोग जालसाज हो सकते हैं, इसलिए इस बात का ध्यान रखें।

जो मूवर्स और पैकर्स आपका सामान सुरक्षित पहुंचाने के लिए जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा या वाहन बीमा की तरह ट्रांजिट बीमा करते हैं, आप उन पर भरोसा कर सकते हैं, ताकि नुकसान होने पर बिना विवाद के स्थिति को संभाला जा सके.।* आप दिवाली पर जिस किसी भी पैकर्स के साथ डील करते हैं, उस डील को लिखित रूप में कराएं और उस पर कंपनी की मोहर लगी हो, तभी विश्वास करें। साथ ही उनके नियम व शर्तों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें और सोच–समझ कर ही कोई कदम उठाएं ताकि भविष्य में कोई दिक्कत आने पर आसानी से उसका सामना किया जा सके।* धोखाधड़ी से बचने के लिए पैकर्स और मूवर्स के बारे में अच्छी तरह से पता जरूर लगा लेना चाहिए। कंपनी की वेबसाईट, पुराने ग्राहकों व जगह के बारे में थोड़ी बहुत जानकारी हासिल कर लें। इस प्रकार आप कंपनियों की विशेषता के बारे में जान सकते हैं और सही निर्णय ले सकते हैं।

परंपरागत ज्वैलरी लुक में लगेंगी खास

दिवाली में परंपरागत लुक अपनाएं। इसके लिए कपड़ों के साथ ही परंपरागत ज्वैलरी पहनें। अपनी व्यक्तिगत स्टाइल और तरीके के अनुसार तैयार होना आजकल फैशन में है और पारंपरिक आभूषण आजकल चलन में बने हुए आभूषणों के साथ संयोजन कर पहनने से आपको सबसे अलग अपना स्टाइलिश लुक पाने में सहायता मिलेगी।

इस त्योहार के सीजन में अलग अंदाज में नजर आने के लिए आप गले के लंबे हार के साथ एक कम लंबाई वाला हार और परंपरागत कड़े के साथ कफ्स या चौड़ा ब्रेसलेट पहन सकती हैं। आप ब्रेसलेट के साथ प्रयोग कर सकती हैं।आप स्नेक चेन ब्रेसलेट, बैंगल या लेदर ब्रेसलेट पहन सकती हैं। ये भारतीय और पश्चिमी परिधान दोनों के साथ खूब जमते हैं।

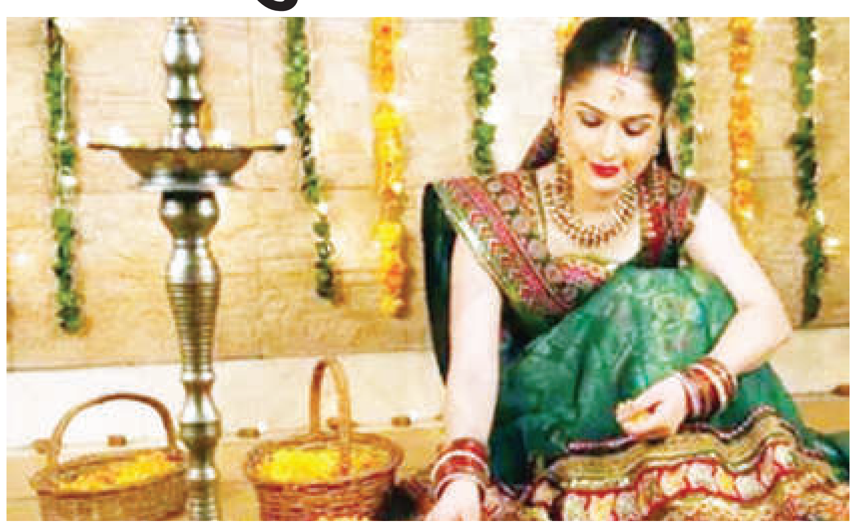

दिवाली पर ट्राई करें ये खास रेडी-टू-पुट रंगोली, घर की सुंदरता में लगा देगी चार चांद

दिवाली आते ही घरों में सफाई, सजावट और मिठाइयों की खुशबू फैल जाती है, लेकिन किसी भी घर की असली रौनक तब दिखती है जब दरवाजे पर खूबसूरत रंगोली बनती है. कहते हैं कि रंगोली बनाना न केवल सौंदर्य का प्रतीक है, बल्कि ये शुभता और सकारात्मक ऊर्जा भी लाती है. अगर आप भी इस बार दिवाली पर कुछ नया और आसान ट्राई करना चाहते हैं, तो रेडीमेड रंगोली आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन है.

क्या है रेडीमेड रंगोली?: रेडीमेड रंगोली एक ऐसी क्रिएटिव डेकोरेशन है जो पारंपरिक रंगोली जैसी ही दिखती है, लेकिन इसे बनाने में न तो ज्यादा वक्त लगता है और न गंदगी होती है. ये प्लास्टिक शीट पर बनाई जाती है, जिस पर पहले डिज़ाइन ट्रेस किया जाता है और फिर गोंद व रंगोली पाउडर की मदद से इसे सजाया जाता है. बाजार में छोटी रेडीमेड रंगोली 40 रुपये में मिल जाती है, जबकि बड़ी और डिजाइनर रंगोली की कीमत 100 से 200 रुपये तक होती है. अच्छी बात ये है कि इसे आप 2–3 साल तक रीयूज भी कर सकते हैं.

क्यों करें रेडीमेड रंगोली का इस्तेमाल? : अगर आप कामकाजी हैं या फिर समय की कमी में हैं, तो रेडीमेड रंगोली आपके घर को मिनटों में त्योहार जैसा बना देगी. इसे पूजा स्थल या लिविंग रूम के कोने में रखिए और बस...आपका घर जगमगाता नज़र आएगा. इसका एक और फायदा है..सफाई के बाद दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे खर्च भी कम और मेहनत भी बचती है. दिवाली सजावट में नया ट्रेंड: आजकल सोशल मीडिया पर भी लोग के आइडिया शेयर कर रहे हैं. आप चाहे तो बच्चों के साथ मिलकर इसे बना सकते हैं...ये न सिर्फ एक फैमिली एक्टिविटी बन जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जडेजा के कारण मिली सफलता: कुलदीप

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 8 विकेट लेने वाले स्पिनर कुलदीप यादव ने अपनी सफलता का श्रेय अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को दिया है। कुलदीप ने कहा, यह बिल्कुल अलग विकेट था। यहां ज्यादा ओवर डालना एक चुनौती थी, मुझे यहां गेंदबाजी करने में मजा आया। मैंने पहले टेस्ट मैचों में भी कुछ विकेट लेने का आनंद लिया था। उनका जडेजा साथ होना बहुत अच्छा है। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने हमेशा मुश्किल हालातों में मेरा मार्गदर्शन किया है और मुझे सलाह दी है। भारत ने 121 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन एक विकेट पर 63 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई। उसे जीत के लिए केवल 58 रन की जरूरत थी। भारत ने आखिर में 35.2 ओवर में तीन विकेट पर 124 रन बनाए। राहुल 58 रन बनाकर नाबाद रहे।

16 साल के बाद पहली बार पांचवें दिन तक खेली वेस्टइंडीज

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही सीरीज 2-0 से अपने नाम की है। भारतीय टीम ने पांचवें दिन पहले ही सत्र में 58 रन बनाकर मैच जीत लिया। वेस्टइंडीज भारत में नवंबर 2011 के बाद से ही कोई टेस्ट मैच 5वें दिन तक पहली बार ले जा पायी है। इसका कारण टीम का लगातार कमजोर होना है। वहीं इससे पहले अहमदाबाद में पहला टेस्ट भारतीय टीम ने तीसरे दिन ही जीत लिया था। वहीं इस दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज ने अपेक्षाकृत अच्छी बल्लेबाजी कर मुकाबला पांचवे दिन तक खींचा। वहीं भारतीय टीम ने मैच पहले ही समाप्त करने के लिए उसे फॉलोआन दिया था।

जब टीम में जगह नहीं मिलने पर भड़क गये थे सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रहे वीरेंद्र सहवाग के लिए साल 2008 काफी खराब रहा है। तब ऑस्ट्रेलिया दौरे में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल रही थी। जिससे वह टीम के कोच गैरी क्रिस्टन और कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी पर भड़क गये थे और यहां तक कहा था कि मैं यहां पानी पिलाने नहीं आया हूं। अंतिम ग्यारह में नहीं रखना है तो मुझे बाहर कर किसी अन्य को अवसर दो। सहवाग ने स्वयं एक शो में ये बात बतायी है। सहवाग के लिए साल 2008 बेहद खराब रहा था।

गिल ने की ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस की बराबरी, सिराज साल के टॉप विकेट टेकर

भारत के नाम 2025 में सबसे ज्यादा जीत

टेस्ट में इस साल के टॉप बैटर्स

प्लेयर	टीम	मैच	रन
शुभमन गिल	भारत	8	979
केएल राहुल	भारत	8	745
यशस्वी जायसवाल	भारत	8	662
रवींद्र जडेजा	भारत	8	659
सीन विलियम्स	जिम्बाब्वे	8	648

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से जीत ली है। टीम ने दिल्ली टेस्ट में वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हराया। टीम इंडिया इस जीत के साथ 2025 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच (तीनों फॉर्मेट मिलाकर) जीतने वाली टीम बन गई। टीम की यह 23वीं जीत है। वहीं, शुभमन गिल की कप्तानी में इस साल भारत ने चौथा टेस्ट मैच जीता है।

1. 2025 में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में मिली जीत 2025 में इंटरनेशल क्रिकेट में भारत की 23वीं जीत है। टीम इंडिया ने इसके साथ ही न्यूजीलैंड को पीछे छोड़ दिया है। न्यूजीलैंड ने इस साल 22 मैचों में जीत हासिल की है। भारत ने इस साल टेस्ट क्रिकेट में 4, वनडे में 8 और टी-20 में 11 मैच जीते हैं। टी-20 में भारत ने 11 में से एक मैच सुपर ओवर में जीता।

2. शुभमन गिल ने की पैट कमिंस की बराबरी शुभमन गिल की कप्तानी में इस साल भारतीय टीम ने चौथा टेस्ट मैच जीता है। गिल अब 2025 में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने वाले कप्तानों की लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस की बराबरी पर आ गए हैं। कमिंस ने इस साल 5 टेस्ट में कप्तानी की है और 4 में उनकी टीम जीती। गिल ने 2025 में 7 टेस्ट में कप्तानी की और चौथी जीत हासिल की। गिल की कप्तानी में भारत 2 टेस्ट मैच हारा है और 1 मैच ड्रॉ रहा है।

3. सिराज बने 2025 के टॉप विकेट टेकर भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2025 में टेस्ट क्रिकेट के टॉप विकेट टेकर बन गए हैं। सिराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में 3 विकेट लिए। अब उनके नाम 2025 में 8 टेस्ट मैचों में 37 विकेट हो गए हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी को पीछे छोड़ा है। मुजारबानी ने इस साल 9 टेस्ट में 36 विकेट लिए हैं।

4. बल्लेबाजी में शुभमन गिल पहले से टॉप पर भारत के शुभमन गिल 2025 के ज्यादा रन बनाने वाले टेस्ट बैटर्स की लिस्ट में पहले से नंबर-1 हैं। इस साल गिल के 8 टेस्ट मैचों से 966 रन हो गए हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद केएल राहुल के नाम 8 टेस्ट में 687 रन हैं। तीसरे और चौथे नंबर पर भी भारतीय खिलाड़ी रवींद्र जडेजा और यशस्वी जायसवाल हैं।

5. घर में हर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ज्यादा जीत भारत ने अपने घर में वेस्टइंडीज को टेस्ट क्रिकेट में 15वीं बार हराया है। अब भारत ने घरेलू मैदानों पर हर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ज्यादा जीत और कम हार का रिकॉर्ड बना लिया है। भारत से पहले यह रिकॉर्ड सिर्फ ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के नाम है।

6. कैम्पबेल-होप ने 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा भारत में टेस्ट क्रिकेट में तीसरे विकेट के लिए वेस्टइंडीज की सबसे बड़ी साझेदारी जॉन कैम्पबेल और शाई होप के नाम हो गई है। दिल्ली में कैम्पबेल और होप ने 177 रन जोड़े। उन्होंने 14 साल पुराना डैरेन ब्रावो और किर्क एडवर्ड्स के रिकॉर्ड को तोड़ा। दोनों ने 2011 वानखेड़े स्टेडियम में 164 रनों की साझेदारी की थी।

7. होप का 58 इनिंग के बाद शतक वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शाई होप ने दो टेस्ट शतकों के बीच सबसे लंबा इंतजार करने का अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। होप ने 2017 से 2025 के बीच अपने दो शतकों के बीच 58 पारियां खेलीं, जो वेस्टइंडीज के किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा अंतर है।

पर्वतारोही भरत ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 8000 मीटर ऊंची नौ चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने

कोलकाता, निप्र। भरत मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत माउंट चो ओयू (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। भरत मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत माउंट चो ओयू (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 36 वर्षीय पर्वतारोही के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस उपलब्धि से पहले थम्मिनेनी ने मई 2017 में माउंट एवरेस्ट, सितंबर 2018 में माउंट मनास्लू, मई 2019 में माउंट ल्होत्से, मार्च 2022 में माउंट अन्नपूर्णा, अप्रैल 2022 में माउंट कंचनजंगा, मई 2023 में माउंट मकालू, अक्तूबर 2024 में माउंट शीशपंगमा और अप्रैल 2025 में माउंट धौलागिरी पर चढ़ाई की थी। ये सभी 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियां हैं। बची हुई पांच शीर्ष चोटियां माउंट के2, नंगा पर्वत, गशेरब्रुम 1 और 2 तथा ब्रॉड पीक पाकिस्तान में हैं और वर्तमान में भारतीय पर्वतारोहियों के लिए वर्जित हैं। थम्मीनेनी 30 सितंबर को चीन के चो ओयू बेस कैंप पहुचे थे लेकिन खराब मौसम और भारी बर्फबारी के कारण उन्हें पहाड़ पर चढ़ने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा जिससे वह बेस कैंप में ही रुके रहे।

निलाक्षी और कप्तान अटापट्टू की फिफ्टी, न्यूजीलैंड से सोफी डिवाइन को 3 विकेट

विमेंस वर्ल्डकप-श्रीलंका ने 259 रन का टारगेट दिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के 15वें मैच में श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को 259 रन का टारगेट दिया। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका ने बैटिंग चुनी। टीम ने 6 विकेट खोकर 258 रन बना दिए। कप्तान चमारी अटापट्टू ने 53 और निलाक्षी डि सिल्वा ने 55 रन बनाए।

श्रीलंका की मजबूत शुरुआत टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी श्रीलंका को ओपनर्स ने मजबूत शुरुआत दिलाई। विष्मी गुणारत्ने और कप्तान चमारी अटापट्टू ने 101 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। अटापट्टू 53 और गुणारत्ने 42 रन बनाकर आउट हुईं। नंबर-3 पर उतरीं हसिनी परेरा ने फिर हर्षिता समरविक्रमा के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। निलाक्षी की फास्टेस्ट फिफ्टी हर्षिता 26 रन बनाकर आउट हुईं। उनके बाद कविशा दिलहारी 4 और हसिनी 44 रन बनाकर आउट हो गईं। टीम ने 198 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए। 5 विकेट गिर जाने के बाद निलाक्षी डी सिल्वा ने तेज बैटिंग की। उनके सामने

पियूमि वाथसाला बादल्गे 15 गेंद पर 7 रन बनाकर आउट हुईं। विकेटकीपर अनुष्का संजीवनी ने 6 गेंद पर 6 रन बनाए।

निलाक्षी ने महज 26 गेंद पर फिफ्टी लगाई और टीम को 258 रन तक पहुंचा दिया। वे 55 रन बनाकर नॉटआउट रहीं। निलाक्षी ने टूर्नामेंट में सबसे कम गेंदों पर फिफ्टी लगाई। उन्होंने बांग्लादेश की शोरना अख्तर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 34 गेंद पर अर्धशतक लगाया था। न्यूजीलैंड के लिए कप्तान सोफी डिवाइन ने 3 और ब्री लिंग ने 2 विकेट लिए। रोजमैरी मेयर को 1 विकेट मिला। ईडन कार्सन, जेस कर और अमीलिया केर कोई विकेट नहीं ले सकीं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11 न्यूजीलैंड: सूजी बेट्स, जॉर्जिया प्लिमर, अमीलिया केर, सोफी डिवाइन (कप्तान), ब्रूक हालिडे, मैडी ग्रीन, इजाबेला गैज (विकेट कीपर), जेस केर, ईडन कार्सन, रोजमैरी मैयर और ब्री लिंग।

श्रीलंका: चमारी अटापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा, विश्मी गुणारत्ने, कविशा दिलहारी, निलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), माल्की मदारा, सुगंधिका कुमारी, पियूमि वाथसाला बादल्गे और इनोका राणावीरा। श्रीलंका के खिलाफ न्यूजीलैंड का दबदबा न्यूजीलैंड और श्रीलंका की विमेंस टीमों के बीच अब तक कुल 16 वनडे मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से ज्यादातर मैचों में न्यूजीलैंड का दबदबा रहा। टीम ने 13 मैच जीते। वहीं, श्रीलंका को केवल 2 मुकाबलों में जीत मिली। जबकि एक मैच का फैसला नहीं हो सका। वनडे वर्ल्ड कप में दोनों का 5 बार सामना हुआ, हर बार न्यूजीलैंड को जीत मिली।

2026 फीफा विश्व कप के लिए अब तक 22 टीमों ने किया क्वालिफाई

लंदन ■ एजेंसी

कुल छह टीमें इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में भिड़ेंगी, जिनमें से दो टीमें विश्व कप के लिए क्वालिफाई करेंगी। यह प्लेऑफ मार्च 2026 में आयोजित होने की संभावना है।

फीफा विश्व कप 2026 एक ऐतिहासिक टूर्नामेंट बनने जा रहा है क्योंकि इसमें रिकॉर्ड 48 टीमें हिस्सा लेंगी। यह विश्व कप संयुक्त रूप से अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा द्वारा आयोजित किया जाएगा। तीनों मेजबान देशों को अपने-आप टूर्नामेंट में जगह मिल गई है।

अफ्रीका से छह टीमें सुनिश्चित: अफ्रीकी महाद्वीप से अब तक छह देशों ने क्वालिफाई किया है। सोमवार को केप वर्डे ने इतिहास रचते हुए पहली बार विश्व कप के लिए जगह बनाई। इसके साथ अफ्रीका जो टीमें अब तक क्वालिफाई कर चुकी हैं, उनमें अल्जीरिया, मिस्र, घाना, मोरक्को, ट्यूनीशिया और केप वर्डे शामिल हैं। यह पहली बार है जब केप वर्डे विश्व कप में दिखाई देगा, जो अफ्रीकी फुटबॉल के

लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

एशिया से छह देशों की एंट्री: एशियाई महाद्वीप से अब तक छह टीमों ने 2026 विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया है। इनमें ऑस्ट्रेलिया, ईरान, जापान, जॉर्डन, दक्षिण कोरिया और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। एशिया को कुल आठ सीधे स्थान मिले हैं, जबकि एक टीम इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के जरिए अपनी जगह बनाएगी।

यूरोप को सबसे ज्यादा स्थान: फुटबॉल की सबसे मजबूत महाद्वीप यूरोप को इस बार 16 टीमों का सीधा कोटा मिला है। हालांकि अभी यूरोप की क्वालिफाइंग प्रक्रिया जारी है, लेकिन यह निश्चित है कि 16 यूरोपीय टीमें 2026 विश्व कप में हिस्सा लेंगी।

दक्षिण अमेरिका की ताकत बरकरार

दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र से अब तक की छह बड़ी टीमें विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। इनमें अर्जेंटीना, ब्राज़ील, कोलंबिया, इक्वाडोर, पैराग्वे और उरुग्वे शामिल हैं। इस महाद्वीप को छह सीधे स्थान मिले हैं, जबकि एक टीम इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में जाएगी।

उत्तरी और मध्य अमेरिका की स्थिति: उत्तरी और मध्य अमेरिकी क्षेत्र को तीन सीधे स्थान मिले हैं। इसके अलावा तीन मेजबान देश- अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा पहले से ही क्वालिफाई कर चुके हैं। इस क्षेत्र की दो और टीमें इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ के जरिए विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश करेंगी।

ओशिनिया से न्यूजीलैंड को मिला टिकट: ओशिनिया फुटबॉल कॉन्फेडरेशन को पहली बार विश्व कप में गारंटीड स्थान मिला है। मार्च में न्यूजीलैंड ने यह स्लॉट पक्का कर लिया था।

फॉक्सकॉन भारत में 15,000 करोड़ का करेगी निवेश

बैंक ऑफ बड़ौदा समेत तीन बैंकों ने घटाई ब्याज दर

नई दिल्ली ■ एजेंस

आरबीआई के कर्ज पर ब्याज दरों को यथावत रखने के बावजूद इस महीने तीन बैंकों ने कर्ज पर ब्याज दर घटा दिया है। इनमें इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और आईडीबीआई बैंक हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक महीने के कर्ज की दरें 7.95 फीसदी से घटाकर 7.90 फीसदी कर दी है। 6 माह की दर 8.65 से घटकर 8.60 फीसदी और एक साल की दर 8.80 फीसदी से घटकर 8.75 फीसदी पर आ गई है। नई दरें 12 अक्तूबर से लागू हैं।

आईडीबीआई बैंक ने भी एक महीने के कर्ज की दरें 8.20 फीसदी से कम करके 8.15 फीसदी कर दी है। एक रात के कर्ज की दर अब 8 फीसदी होगी जो पहले 8.05 फीसदी थी। नई दर 12 अक्तूबर से लागू है। इसी तरह से इंडियन बैंक ने भी 3 अक्तूबर से कर्ज पर दरों को कम कर दिया है। एक रात की दर अब 8.05 से घटकर 7.95 फीसदी हो जाएगी। एक महीने की दर 8.30 फीसदी से कम होकर 8.25 फीसदी हो गई है।

फॉक्सकॉन भारत में 15,000 करोड़ का करेगी निवेश, 14,000 इंजीनियरों को मिलेगी नौकरी

भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को नई ऊंचाई देने और अपने अगले चरण के विस्तार के लिए फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी समूह तमिलनाडु में करीब 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह

राज्य की निजी क्षेत्र की अब तक की सबसे बड़ी निवेश डील मानी जा रही है।?इससे उच्च-मूल्य वाली 14,000 इंजीनियरिंग नौकरियों का सृजन होगा। एक सूत्र ने बताया, यह निवेश तमिलनाडु में कई स्थानों पर किया जाएगा। 15,000 करोड़ रुपये का यह निवेश मुख्य रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित उन्नत तकनीकी संचालन, मूल्यवर्धित विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास एकीकरण पर केंद्रित होगा। यह निवेश भारत को लेकर लगातार बढ़ते भरोसे और सरकार की मेक इन इंडिया नीति के प्रति फॉक्सकॉन समूह की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ब्यूरो

देश में पहली बार बनेगा फॉक्सकॉन डेस्क, तेजी से होगा काम: तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने कहा, फॉक्सकॉन के भारत प्रतिनिधि रॉबर्ट वू ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की।?साथ ही, तमिलनाडु की इन्वेस्टमेंट एजेंसी 'गाइडेंस' भारत में पहली बार फॉक्सकॉन डेस्क बनाएगी, जो काम को आसान और तेज करेगा। इस निवेश से स्थानीय एमएसएमई और स्टार्टअप को आपूर्ति श्रृंखला में जुड़ने के अवसर मिलेंगे। वहीं, रॉबर्ट ने कहा, बेहतर इन्फ्रा और व्यापार में आसानी तमिलनाडु को फॉक्सकॉन के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाती है।

जीएसटी संग इनकी तिकड़ी ने बढ़ाई रौनक

कैट का दावा: दिवाली तक रिकॉर्ड 4.75 लाख करोड़ की होगी त्योहारी बिक्री

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आयकर छूट, कम ब्याज दरें और जीएसटी कटौती की तिकड़ी ने इस त्योहारी सीजन की रौनक बढ़ा दी है। बाजारों में जबरदस्त चहल-पहल दिखाई दे रही है, जिससे व्यापारियों को उम्मीद है कि नवरात्र की शुरुआत के साथ दिवाली तक चलने वाले मौजूदा त्योहारी सीजन में खरीद-बिक्री के सभी पुराने रिकॉर्ड टूट जाएंगे। इस बार खास बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अपनाने के आह्वान के बाद खरीदारों में भारतीय उत्पादों की मांग बढ़ गई है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया, दिवाली तक चलने वाले त्योहारी सीजन में देशभर के खुदरा बाजारों में 4.75 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक कारोबार होगा। यह पिछले त्योहारी सीजन के 4.25 लाख करोड़ से 11.76 फीसदी ज्यादा है। इसमें प्रमुख रूप से स्वदेशी उत्पादों का योगदान होगा। खंडेलवाल ने बताया, आयकर, ब्याज दर और जीएसटी में मिली राहत ने लोगों में त्योहारी खरीदारी का उत्साह बढ़ा दिया है। नवरात्र और करवा चौथ के बिक्री के शानदार आंकड़े इसकी तस्वीर बयां कर रहे हैं। धनतेरस और दिवाली अभी बाकी है। कैट के मुताबिक, दिवाली तक चलने वाली त्योहारी बिक्री में चार साल से बढ़ोतरी देखी जा रही है।

पीएम मोदी के आह्वान से चीनी उत्पाद बाजार से गायब: कैट का दावा है कि चीनी उत्पादों के बहिष्कार की प्रवृत्ति साल-दर-साल मजबूत होती जा रही है। गलवां मामले के बाद से व्यापारी और उपभोक्ता दोनों चीनी उत्पादों की खरीद-बिक्री से बच रहे थे। इस दिवाली बाजारों से चीनी उत्पाद लगभग गायब हैं।

हर सेक्टर में बंपर कारोबार: इस त्योहारी सीजन के दौरान एफएमसीजी से लेकर कपड़ा, किराना और वाहन समेत हर क्षेत्र में बंपर बिक्री की उम्मीद है। खरीदार जिन स्वदेशी वस्तुओं के प्रति इस बार खासा उत्साह दिखा रहे हैं, उनमें मिट्टी के दीये, मूर्तियां, वॉल हैंगिंग, हैंडीक्राफ्ट, पूजन की सामग्री, एफएमसीजी उत्पाद, घर के सजावटी सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, कपड़ा शामिल हैं।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने न्यूजीलैंड में खोला पहला शोरूम

मुंबई/ऑकलैंड। जिम्मेदार ज्वेलर मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने न्यूजीलैंड के बाज़ार में अपने कारोबार का विस्तार करते हुए ऑकलैंड के बॉटनी टाउन सेंटर में अपना पहला शोरूम खोल दिया है। इस उद्घाटन के साथ, कंपनी ने 14 देशों में अपनी मजबूत वैश्विक उपस्थिति सुनिश्चित कर ली है। न्यूजीलैंड के मंत्री मार्क मिशेल ने शोरूम का उद्घाटन किया, जिसमें मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम.पी. अहमद और इंटरनेशनल ऑपरेशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर शामलाल अहमद सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम.पी. अहमद ने इसे वैश्विक विस्तार योजना में ऐतिहासिक छलांग बताते हुए कहा कि यह भारतीय आभूषण कला की वैश्विक पहचान का प्रमाण है। यह शोरूम सोने, हीरे और बहुमूल्य धातुओं के 30,000 से अधिक अनूठे डिज़ाइन पेश करेगा। कंपनी की योजना आगे वेलिंगटन, हैमिलटन और क्राइस्टचर्च में नए शोरूम खोलने की है।

गूगल विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करेगी

नई दिल्ली। इंटरनेट सर्च इंजन कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के एक व ?रिष्ठ अ ?धिकारी ने कहा कि यह नया एआई केंद्रज्एआई बुनियादी ढांचे, नई डेटा सेंटर क्षमता, बड़े ऊर्जा स्रोतों एवं विस्तारित ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क को एकीकृत करेगा। उन्होंने कहा ?कि हम विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करने के लिए अगले पांच वर्ष में 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में निवेशकों की संख्या में 10 गुना बढ़ोतरी

मुंबई। पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर निवेशक आधार में 10 गुना वृद्धि दर्ज की है। 2015 में जहां यह संख्या 65,000 थी, वहीं 2025 में यह बढ़कर 6.51 लाख हो गई है। यह वृद्धि देश की औसत वृद्धि (6.2 गुना) से कहीं अधिक है। एनएसई के एक अधिकारी ने इसे औपचारिक वित्तीय प्रणाली में बढ़ते विश्वास और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का परिणाम बताया। एनएसई के अनुसार, महिला निवेशकों की भागीदारी जम्मू-कश्मीर में 25 फीसदी है, जो राष्ट्रीय औसत 16.3 फीसदी से अधिक है।

सितंबर में थोक मुद्रास्फीति घटकर 0.13 फीसदी पर पहुंची

सब्जियों की कीमतों में 24 फीसदी से अधिक गिरावट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पिछले महिने सितंबर में भारत की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति घटकर 0.13 प्रतिशत पर आ गई है। यह कमी मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं, ईंधन और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में आई नरमी के कारण दर्ज की गई। सरकार द्वारा मंगलवार को जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार यह पिछले वर्ष के सितंबर में दर्ज 1.91 प्रतिशत की तुलना में काफी कम है। अगस्त 2025 में थोक महंगाई दर 0.52 प्रतिशत थी। खाद्य पदार्थों की कीमतों में 5.22 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो अगस्त में 3.06 प्रतिशत थी। खासतौर पर सब्जियों की कीमतों में 24.41 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई, जबकि अगस्त में यह गिरावट 14.18 प्रतिशत थी। विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर भी घटकर

2.33 प्रतिशत पर आ गई, जो पिछले महीने 2.55 प्रतिशत थी। वहीं ईंधन और बिजली की कीमतों में 2.58 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई, जबकि अगस्त में इसमें 3.17 प्रतिशत की कमी आई थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) खुदरा मुद्रास्फीति पर नज़र रखता है। अक्टूबर की शुरुआत में आरबीआई ने नीतिगत ब्याज दर को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनाए रखा। इसी बीच सोमवार को जारी एक अन्य आंकड़े के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में घटकर 1.5 प्रतिशत पर आ गई है, जो आठ वर्षों में सबसे निचला स्तर है।

विशेषज्ञों का मानना है कि थोक और खुदरा मुद्रास्फीति में यह गिरावट उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी है और इससे आर्थिक नीतियों में संतुलन बनाने में भी मदद मिल सकती है।

बोलीं आईएमएफ की प्रमुख

भारत वैश्विक विकास का प्रमुख इंजन बनकर उभर रहा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका के बारे में बोलते हुए जॉर्जीवा ने कहा कि मार्जिन में कमी के कारण वहां कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। मौद्रिक नीति व विकास पर इसका असर पड़ने की आशंका है। भारत के बारे में उन्होंने क्या कहा, आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

भारत दुनिया के विकास का एक प्रमुख इंजन बनकर उभर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने यह बात कही है। 2025 आईएमएफ-विश्व बैंक वार्षिक बैठक से पहले आईएमएफ प्रमुख ने कहा, मध्यम अवधि में वैश्विक विकास दर लगभग 3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह महामारी से पहले 3.7 प्रतिशत थी।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक विकास के पैटर्न में बदलाव आ रहा है, विशेष रूप से चीन की विकास दर में लगातार गिरावट आ रही है।

जॉर्जीवा ने भारत में आर्थिक लचीलेपन के कारण बताए: वाशिंगटन डीसी में आईएमएफ और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में बोलते हुए जार्जीवा ने भारत को दुनिया के विकास का एक प्रमुख इंजन बताया। भारत के आर्थिक लचीलेपन का जॉर्जीवा ने चार कारण बताए। उन्होंने कहा कि बेहतर नीतिगत और बुनियादी बातों, निजी क्षेत्र के बढ़िया प्रदर्शन, शुरुआती समय में टैरिफ का आशंका से कम प्रभाव और सहायक वित्तीय स्थितियों से देश आर्थिक मोर्चे पर सशक्त बना है। हालांकि, जॉर्जीवा ने कहा कि टैरिफ का पूरा असर अभी सामने आना बाकी है।

अमेरिका में महंगाई की आशंका: अमेरिका के बारे में बोलते हुए जॉर्जीवा ने कहा कि मार्जिन में कमी के कारण वहां कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। मौद्रिक नीति व विकास पर इसका असर पड़ने की आशंका है। जॉर्जीवा ने यह भी कहा कि वैश्विक लचीलेपन का अभी तक पूरी तरह से परीक्षण नहीं हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि सोने की बढ़ती मांग और आसान वित्तीय स्थितियां कमजोरियों को छिपा सकती हैं।

आईएमएफ प्रमुख की अपील-दुनिया में निजी क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने पर रहे जोर: जॉर्जीवा ने देशों को आगाह किया कि वे संस्थानों को मजबूत बनाने, संपत्ति के अधिकारों की रक्षा करने और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने वाले सुधारों के जरिए निजी क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान दें। उन्होंने एशियाई अर्थव्यवस्थाओं से लंबे समय में सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए आंतरिक व्यापार बढ़ाने की भी अपील की।

संक्षिप्त समाचार

लोकायुक्त ने बेंगलुरु समेत कर्नाटक में 12 भ्रष्ट अधिकारियों के घरों पर छापा मारा

बेंगलुरु। लोकायुक्त ने बेंगलुरु सहित कर्नाटक राज्य में 12 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर छापे मारे हैं। इन सभी पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। यह छापे बेंगलुरु, हासन, कालाबुरागी, चित्रदुर्ग, उडुपी, दावणगेरे, हावेरी और बागलकोट जिलों में एक साथ मारे गए। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, लोकायुक्त कार्यालय के अधिकारियों ने बेंगलुरु में मंजूनाथ जी चिकित्सा अधिकारी मल्लसंद्रा हेरिज अस्पताल, वी सुमंगल निदेशक कर्नाटक उच्च शिक्षा बोर्ड, एनके गंगामारी गौड़ा सर्वेक्षक विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी बीएमआरसीएल, ज्योति मैरी प्रथम श्रेणी सहायक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग हासन, कलबुर्गी कृषि विभाग सहायक निदेशक धुलप्पा, चित्रदुर्ग कृषि विभाग सहायक निदेशक चंद्रकुमार, उडुपी क्षेत्रीय परिवहन विभाग अधिकारी लक्ष्मीनारायण पी. नायक, जगदीश नायक सहायक कार्यकारी अभियंता कर्नाटक ग्रामीण अवसंरचना विकास नियमित दावणगेरे, बीएस धाद्रिमनी जूनियर इंजीनियर कर्नाटक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम दावणगेरे, हावेरी जिले के रानेबेन्नूर तालुक के राजस्व अधिकारी अशोक, हावेरी जिले के सावनूर तालुक पंचायत के प्रभारी कार्यकारी अधिकारी बसवेश और बागलकोट अलमट्टी राइट बैंक नहर जूनियर इंजीनियर चेतन के ठिकानों पर यह कार्रवाई की है।

वेनेजुएला नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में बंद करेगा अपने दूतावास

काराकास। वेनेजुएला की सरकार ने सोमवार को घोषणा की है कि वह नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में अपने दूतावास को बंद करेगी। इसके स्थान पर बुर्किना फासो और जिम्बाब्वे में नए दूतावास खोले जाएंगे। यह कदम अमेरिकी तनावों के बढ़ने के बाद वेनेजुएला के विदेश सेवा ढांचे के पुनर्गठन का हिस्सा है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार ने एक बयान में कहा कि यह बंदी संसाधनों के रणनीतिक पुन :आवंटन का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि नॉर्वे और ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले वेनेजुएला नागरिकों के लिए वाणिज्यिक सेवाएं अन्य कूटनीतिक मिशनों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी, जिसके विवरण आने वाले दिनों में साझा किए जाएंगे। काराकास ने कहा कि बुर्किना फासो और जिम्बाब्वे में नई दूतावासें दो बहन राष्ट्रों में खोली जाएंगी, जो उपनिवेशवाद के खिलाफ और प्रभुत्ववादी दबावों के खिलाफ संघर्ष में रणनीतिक सहयोगी हैं। ये नई दूतावासें कृषि, ऊर्जा, शिक्षा, खनन और अन्य साझा हितों में संयुक्त परियोजनाओं को शुरू करने में मदद करेंगी। यह घोषणा उस समय हुई है जब ओस्लो में नोबेल समिति ने मारिया कोरीना माचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया है।

सेनेगल में फैला रिफ्ट वैली फीवर, 18 लोगों की मौत

डकार। पश्चिमी अफ्रीकी देश सेनेगल एक खतरनाक वायरल महामारी की चपेट में है। देश के उत्तरी हिस्सों में रिफ्ट वैली फीवर फैल गया है जिससे अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 100 से ज्यादा संक्रमित हैं। सेनेगल के स्वास्थ्य मंत्रालय के निगरानी प्रमुख डॉ. बोली डियोप ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में मरीज पहली बार दर्ज किए गए हैं। रिफ्ट वैली फीवर एक जूनोटिक बीमारी है जिसका अर्थ है कि यह जानवरों से इंसानों में फैलती है। यह मुख्य रूप से भेड़, बकरी और गाय जैसे पालतू पशुओं को प्रभावित करती है। इस वायरस की पहचान पहली बार 1931 में केन्या की रिफ्ट वैली में हुई थी। तब से यह अफ्रीका और कभी-कभी मध्य-पूर्व तक भी फैल चुकी है। इसका फैलाव अक्सर भारी बारिश या बाढ़ के बाद होता है, क्योंकि इससे मच्छरों की संख्या बढ़ती है। एडीज और क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छर इस वायरस के मुख्य वाहक हैं। इंसानों में यह संक्रमण संक्रमित पशुओं के खून या अंगों के संपर्क में आने से भी फैल सकता है खासकर जब बीमार जानवर को काटा जाता है या उसका मांस तैयार किया जाता है।

जेम्स वेब टेलीस्कोप ने खोजा विशाल कॉस्मिक ट्रेल

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप (जेडब्ल्यूएसटी) ने खगोल विज्ञान की एक रोमांचक खोज की है। जेडब्ल्यूएसटी और चिली स्थित एएलएमए की संयुक्त ऑब्जर्वेशन में एनजीसी 3627 नामक एक दूरस्थ स्पाइरल गैलेक्सी में एक विशाल कॉस्मिक ट्रेल का पता चला है। यह गैलेक्सी लियो (सिंह) नक्षत्र में स्थित है और पृथ्वी से लगभग 31 मिलियन लाइट ईयर दूर है। यह ट्रेल लगभग 20,000 लाइट ईयर लंबा और 650 लाइट ईयर चौड़ा है, जो अब तक देखी गई सबसे बड़ी और स्पष्ट कॉस्मिक लकीरों में से एक माना जा रहा है। चीन की नानजिंग यूनिवर्सिटी के खगोल वैज्ञानिक मेंगके झाओ ने बताया कि यह खोज पीएचएएनजीएस सर्वे के दौरान सामने आई, जिसका उद्देश्य ब्रह्मांड में गैस, तारों के निर्माण और गैलेक्सी के ढांचे को समझना है। जेडब्ल्यूएसटी से प्राप्त डेटा ने संकेत दिया कि यह ट्रेल महीन धूल के कणों से भरी हुई है।

बिहार विधानसभा चुनाव: एनडीए शामिल पार्टियों ने टिकट बंटवारा शुरू किया

भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की एक और लिस्ट, मुस्लिम नाम भी शामिल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने चार राज्यों में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में एक मुस्लिम चेहरा भी शामिल है। इससे पहले भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के लिए जो राज्यसभा चुनाव की लिस्ट जारी की थी उसमें भी एक मुस्लिम कैंडिडेट को मैदान में उतारा है। आज भाजपा ने चार राज्यों की पांच सीटों पर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है।

भाजपा ने जम्मू-कश्मीक के बडगाम सीट से आगा सैयद मोहसिन को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, नगरोटा से देवयानी राणा भाजपा उम्मीदवार घोषित हुई हैं। भाजपा ने झारखंड की घाटशिला (एसटी) सुरक्षित सीट से उम्मीदवार के नाम का ऐलान किया है। यहां से बाबूलाल सोरेन को उपचुनाव के लिए मैदान में उतारा है।

भाजपा ने ओडिशा और तेलंगाना की एक-एक सीट के लिए भी उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। भगवा पार्टी ने ओडिशा की नुआपाड़ा सीट से जय ढोलकिया और तेलंगाना की जुबली हिल्स सीट से लंकाला दीपक रेड्डी को कैंडिडेट बनाया है।

आपको बता दें कि इससे पहले भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की भी लिस्ट जारी की थी। उस लिस्ट में तीन उम्मीदवारों के नाम थे। भगवा पार्टी ने गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और सत पाल शर्मा को मैदान में उतारा है। आपको बता दें कि चुनाव आयोग ने चार सीटों के लिए चुनाव के लिए तीन अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं।

नीतीश कुमार सीट बंटवारे से नाराज? बिना लिस्ट के ही नामांकन और बैठक पर बैठक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीट बंटवारा हो चुका है। भाजपा और जेडीयू दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, जबकि चिराग पासवान की लोजपा-रामविलास को 29 सीटें मिल गई हैं। एनडीए के सभी नेताओं को साथ लेकर तस्वीर जारी की गई और ऐलान हुआ कि हम सीट बंटवारे में आगे निकल गए हैं। लेकिन हालात उतने सामान्य नहीं लग रहे हैं। बिहार में 4 विधानसभा चुनाव जेडीयू और भाजपा मिलकर लड़ चुके हैं, लेकिन ऐसा पहली बार है, जब भाजपा की सीटें जेडीयू के बराबर हैं। अब तक जेडीयू को ज्यादा सीटें मिला करती थीं। इसके पीछे भाजपा 2020 के अपने स्ट्राइक रेट को वजह बता रही है, लेकिन जेडीयू में ऑल इज वेल नहीं है।

अब खबर है कि नीतीश कुमार भाजपा के साथ बराबरी वाले सीट बंटवारे से नाराज हैं। इसके अलावा उनकी असहमति लोजपा के खाते में 29 सीटें जाने से भी है, जिसकी ओर से बीते चुनाव में जेडीयू के खिलाफ कैंडिडेट खड़े किए गए थे और नीतीश कुमार की पार्टी को झटका लगा था। इस नाराजगी का पता इससे भी चलता है कि अब तक जेडीयू ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी नहीं की है। ललन सिंह, उमेश कुशवाहा और बिजेंद्र यादव जैसे नेता बिना लिस्ट आए ही नामांकन दाखिल कर चुके हैं। उमेश कुशवाहा जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष हैं। भरोसेमंद लोगों को जेडीयू की ओर से सिंबल दिया जा रहा है, लेकिन लिस्ट नहीं आई है। हालांकि संजय झा का कहना है कि आज यानी बुधवार दोपहर तक जेडीयू की कैंडिडेट लिस्ट आ जाएगी।

कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार ने कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और ललन सिंह से नाराजगी जाहिर की है। इस बीच भाजपा भी सक्रिय हो गई है और नीतीश कुमार को मनाने की कोशिशें होंगी। खबर है कि उससे पहले भाजपा खुद अपने स्तर पर स्पष्ट होना चाहती है। इसीलिए आज उपेंद्र कुशवाहा दिल्ली पहुंच रहे हैं और चिराग पासवान पहले से ही मौजूद हैं। इस मीटिंग के बाद अमित शाह खुद गुरुवार को पटना जाएंगे और अगले तीन दिनों तक रहेंगे। 17 तारीख को पहले चरण के लिए नामांकन का आखिरी दिन है। भाजपा नेतृत्व और जेडीयू की कोशिश होगी कि 17 तारीख तक सभी मसले हल कर लिए जाएं।

हालांकि धर्मेंद्र प्रधान से लेकर संजय झा तक सभी नेता कह रहे हैं कि कोई समस्या नहीं है, लेकिन जिस तरह दिल्ली से पटना तक बैठकें हो रही हैं, उससे ऑल इज वेल के हालात नहीं दिखते।

पवन सिंह से तलाक लेंगी ज्योति सिंह, वकील का दावा- एलिमनी में मांगी है 30 करोड़ की मोटी रकम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह और उनकी वाइफ ज्योति सिंह के बीच का विवाद बढ़ता जा रहा है। ज्योति सिंह ने पवन सिंह को लेकर काफी हंगामा किया था जिसके बाद एक्टर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सफाई दी थी।

ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर कई तरह के आरोप लगाए थे और कहा था कि उन्हें कभी पत्नी का दर्जा नहीं मिला। अब ज्योति सिंह ने पवन सिंह से तलाक लेने का फैसला किया है। दावा किया जा रहा है कि ज्योति ने पवन सिंह से 30 करोड़ की एलिमनी मांगी है।

ज्योति सिंह का जो वीडियो सामने आया था उससे साफ है कि कोर्ट में मेंटेनेंस को लेकर उनका केस चल रहा है। वहीं पवन सिंह के वकील ने कहा है कि जब तक कोर्ट का आदेश नहीं आता है ज्योति के मन में जो भी आए वो कह सकती हैं। मगर उन्हें सामने बैठकर बात करना चाहिए मीडियो में इन बातों को लाने का मतलब नहीं है।

वकील ने ये भी कहा कि पवन को भी तलाक चाहिए, इतनी बेइज्जती करने के बाद वो खुद उनके साथ नहीं रहना चाहेंगे। वकील ने ये भी कहा कि वो कितनी भी एलिमनी की डिमांड करें कोर्ट तो इस बात का ध्यान रखेगा कि पवन सिंह की कमाई क्या है और वो कितनी एलिमनी दे सकते हैं।

प्रशांत किशोर बोले- नहीं लड़ूंगा चुनाव, जनसुराज जीती तो 100 सबसे भ्रष्ट नेताओं- नौकरशाहों पर होगा एक्शन

पटना ■ एजेंसी

बिहार चुनाव से पहले प्रशांत किशोर ने कहा कि एनडीए में पूरी तरह अफरातफरी की स्थिति है। उन्होंने दावा किया कि सीएम नीतीश कुमार इस बार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बुधवार को एलान किया कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह फैसला पार्टी ने उसके व्यापक हित में लिया है। प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर जन सुराज पार्टी बिहार चुनाव जीतती है, तो इसका राष्ट्रव्यापी असर होगा। राष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल जाएगी। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी ने फैसला किया है कि मैं विधानसभा चुनाव न लड़ूं, और इसी कारण राघोपुर से तेजस्वी यादव के खिलाफ हमने किसी और उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। यह फैसला पार्टी के व्यापक हित में लिया गया है। अगर मैं चुनाव लड़ता, तो जरूरी संगठनात्मक कार्यो से मेरा ध्यान भटकता।

प्रशांत किशोर ने कहा कि हमने बिहार को भू-माफिया, बालू माफिया और तमाम तरह के माफियाओं से मुक्त करने का वादा किया है। इसी दिशा में हमने छह बड़े वादे किए हैं, जिनमें फर्जी शराबबंदी नीति को खत्म करना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के एक महीने के भीतर एक कानून बनाया जाएगा, जिसके तहत 100 सबसे भ्रष्ट नेताओं और अफसरों की पहचान की जाएगी। मुझे पूरा यक़ीन है कि ये लोग अभी से पूजा-पाठ कर रहे होंगे कि हम सत्ता में न आएं। इन भ्रष्ट लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा और उनकी अवैध संपत्ति जब्त कर राज्य के खजाने में जमा की जाएगी, ताकि बिहार के विकास में उसका इस्तेमाल हो सके। यह वही विकास है जो इन लोगों की वजह से रुका पड़ा है,

जब उनसे उनकी पार्टी की चुनावी संभावनाओं को लेकर सवाल किया गया, तो 48 वर्षीय प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हम या तो भारी जीत दर्ज करेंगे या पूरी तरह हार जाएंगे।

जैसलमेर बस अग्निकांड कोई नहीं जानता हम किस दौर से गुजर रहे हैं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राजस्थान के जैसलमेर जिले में मंगलवार दोपहर को जोधपुर जा रही एक प्राइवेट बस में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई और 16 गंभीर रूप से झुलस गए। इस अग्निकांड में अपनों को खोने वाले लोगों ने दर्द बयां किया है। अपने छोटे भाई को खोने वाले व्यक्ति ने कहा, हमें इसके बारे में कल पता चला जब उसका फोन लगातार बंद आ रहा था। वह जैसलमेर से जोधपुर जा रहा था। वह दिवाली के लिए घर आ रहा था। वह मेरा छोटा भाई था।

एक अन्य व्यक्ति ने कहा, मुख्यमंत्री हमारी बातें क्यों नहीं सुन रहे हैं। अस्पताल में डॉक्टर नहीं पहुंचे है। कोई कह रहा है कि गाड़ी मोडिफाइड की हुई थी। जनहानि हमें हुई है। हमारे लोग गुजर गए और डॉक्टर 11 बजे आएंगे। परिवार के सदस्य शोक में हैं और कोई नहीं जानता कि हम किस दौर से गुजर रहे हैं। आप मुझसे तरह-तरह के सवाल पूछ रहे हैं, आपको अंदर जाकर भी पूछना चाहिए कि डॉक्टर अभी तक यहां क्यों नहीं आए हैं। डीएनए टेस्ट सुबह 11 बजे क्यों किया जाएगा? पूरा सिस्टम अपराधियों के लिए आधी रात को भी जाग जाता है, लेकिन आम आदमी के लिए यहां अस्पताल में कोई नहीं है। मैंने अपना भाई खो दिया है। आप नहीं देख रहे हैं कि हम सब किस दौर से गुजर रहे हैं।

अपने रिश्तेदार को खोने वाले संजय ने कहा, वो जैसलमेर से जोधपुर की तरफ आ रहे थे। उनकी दिवाली की छुट्टी थी और वो आ रहे थे। बाद में पता चला की गाड़ी जल गई थी। 10 बजे के आसपास हमें इस बात का पता चला। हम महात्मा गांधी अस्पताल आए। हम सुबह 6 बजे से यहां हैं, लेकिन अभी तक डीएनए टेस्ट नहीं हुआ है।

जैसलमेर में जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर मंगलवार को एक चलती एसी स्लीपर बस में आग लग गई। चश्मदीदों ने बताया कि आग ने तेजी से वाहन को अपनी चपेट में ले लिया और यात्री अपनी जान बचाने के लिए चलती बस से कूद पड़े।

3 पेज का सुसाइड नोट, 6 मिनट का वीडियो... एसआई संदीप लाठर ने कौन-कौन से नाम लिए हैं

दिल्ली ■ एजेंसी

आईपीएस वाई पूरन की आत्महत्या के कुछ दिन बाद ही एसआई संदीप लाठर ने भी आत्महत्या कर ली। लाठर ने तीन पेज का सुसाइड नोट छोड़ा है। साथ ही खुदकुशी करने से पहले का एक वीडियो भी जारी किया है। जिसमें आईपीएस पूरन कुमार सिंह सहित कई लोगों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। साथ ही नोट में एएसआई ने गैंगस्टर सहित कई नामों का जिक्र किया है। एएसआई ने सुसाइड नोट में वाई पूरन कुमार और राव इंद्रजीत का नाम लिया है। उसने आरोप लगाया है कि कुख्यात गैंगस्टर राव इंद्रजीत ने 50 करोड़ की डील कर हत्या के एक केस से अपना नाम निकलवाया था। राव इंद्रजीत फिलहाल अमेरिका में है और वहीं से भारत में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिलवाता है।

एएसआई संदीप लाठर ने वाई पूरन और उनके परिवार को भ्रष्टाचारी बताया है। साथ ही एएसआई ने नोट में कहा है कि पूरन ने गिरफ्तारी के डर से सुसाइड किया। उन्होंने जातिवाद का सहारा लेकर सिस्टम को हाईजैक किया। मैं अपनी शहादत देकर जांच की मांग कर रहा हूं। इस भ्रष्टाचारी परिवार को छोड़ा नहीं जाए. एएसआई के आरोपों से हरियाणा पुलिस पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। इसके अलावा एएसआई ने सुसाइड नोट में पूरन के पीएसओ सुशील कुमार पर भी करप्शन का आरोप लगाया है।

संदीप कुमार लाठर का शव लाढ़ौत में उनके मामा के घर पर ही रखा हुआ है। बुधवार को परिजन और खाप व ग्रामीण एक मीटिंग करेंगे। इसके बाद ही आगे का फैसला लिया जाएगा।

केंद्र सरकार देगी पूरा सहयोग

अश्विनी वैष्णव बोले - अंडमान बन सकता है अगला ग्लोबल इंटरनेट डेटा हब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को वैश्विक इंटरनेट डेटा का अगला बड़ा केंद्र बनाया जा सकता है और सरकार इस पहल के लिए पूरा सहयोग देगी।

उन्होंने कहा, अंडमान और निकोबार द्वीप रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण स्थान पर हैं। सिंगापुर पहले से ही ओवरलोड है। तो क्यों न हम अंडमान को वैश्विक इंटरनेट डेटा ट्रांसफर का नया केंद्र बनाएं? भारत सरकार की ओर से इस पहल को पूरा समर्थन दिया जाएगा।

वैष्णव ने यह बात भारत एआई शक्ति कार्यक्रम में कही, जिसे गूगल ने आयोजित किया था। यह कार्यक्रम आगामी इंडिया एआई समिट से पहले आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि अंडमान द्वीप गूगल और अन्य इंटरनेट आधारित संगठनों को दक्षिण-पूर्व एशिया, ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्षेत्रों से जोड़ने में मदद कर सकते हैं, जहां नए डेटा कैपेसिटी की ज़रूरत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार विजाग से सिटवे (म्यांमार) तक डिजिटल लिंक बनाने पर भी विचार कर रही है, जिससे पूर्वोत्तर राज्यों की डिजिटल कनेक्टिविटी मज़बूत होगी। उन्होंने यह भी बताया कि म्यांमार से मिज़ोरम तक केबल विस्तार एक बड़ा कदम होगा, क्योंकि रेलवे लाइन सैरांग तक पूरी हो चुकी है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर म्यांमार सीमा तक विस्तार का काम चल रहा है। वैष्णव ने कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में एआई सेवाएं एक तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र हैं और उन्होंने गूगल से इस क्षेत्र में प्रतिभा और रोजगार के अवसर बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एआई हब भारत एआई मिशन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। तेजी से बदलती एआई तकनीक के दौर में आईटी पेशेवरों के लिए बड़े पैमाने पर स्किल डेवलपमेंट और री-स्किलिंग ज़रूरी है, जिसमें उन्होंने गूगल से सहयोग की अपील की। गूगल ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम (विजाग) में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हब बनाने की घोषणा की है, जिससे भारत में एआई आधारित बदलाव को तेज़ी से आगे बढ़ाया जा सकेगा। यह लगभग 15 बिलियन डॉलर (2026-2030) का निवेश गूगल का अब तक का सबसे बड़ा निवेश है।

अमेरिका में भारतीय मूल के वरिष्ठ सलाहकार हुए गिरफ्तार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका में भारतीय मूल के एक विशेषज्ञ को रक्षा संबंधी जानकारी रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। भारतीय मूल के वरिष्ठ अमेरिकी सलाहकार और भारत एवं दक्षिण एशियाई मामलों के जाने-माने विशेषज्ञ एश्ले जे टेलिस को अमेरिका में गैरकानूनी रूप से गोपनीय राष्ट्रीय रक्षा जानकारी रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 64 वर्षीय टेलिस वियना, वर्जीनिया के निवासी हैं और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनका लंबा अनुभव रहा है।

अमेरिकी अटॉर्नी लिंडसे हॉलिगन ने इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर उल्लंघन बताया। एक प्रेस रिलीज के अनुसार, हॉलिगन ने कहा, च्हम अमेरिकी लोगों को सभी विदेशी और घरेलू खतरों से बचाने पर पूरी तरह केंद्रित हैं। इस मामले में लगाए गए आरोप हमारे नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं ज्ज् अगर दोषी ठहराया जाता है तो टेलिस को अधिकतम 10 साल की जेल, 2 लाख 50 हजार डॉलर तक का जुर्माना, 100 डॉलर का विशेष मूल्यांकन और संभावित ज़ब्ती का सामना करना पड़ सकता है।

भोपाल करोंद मंडीः मखाने के गोदाम में भीषण आग

- आग की सूचना लगते ही फायर दमकलें पहुंची मौके पर
- आधा दर्जन फायर दमकलें

आग बुझाने पहुंची मौके पर,दूर तक दिखाई दे रहा धुंआ

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल के करोंद स्थित कृषि उपज मंडी में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। आग मखाने के गोडाउन में लगी। इसमें लाखों का मखाना भरा था। आगजनी के बाद मंडी परिसर में हड़कंप की स्थिति बन गई। आग ज्यादा न फैले, इसके लिए व्यापारी, हम्माल भी बुझाने में जुटे रहे। आगजनी की घटना सुबह 8 बजे हुई। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग काबू में आ पाई है। हालांकि, अंदर रखा मखाना जल गया। मंडी व्यापारी संजीव कुमार जैन ने बताया, यह गोडाउन व्यापारी आशीष सिंह का है, जो उन्होंने करीब छह महीने पहले ही बनाया था। यहां पर लाखों रुपए के मखाने रखे थे।

त्योहार के चलते स्टॉक ज्यादा रखा था

दीपावली और ठंड की वजह से ड्राइ फूट्स की डिमांड अधिक रहती है। इसलिए गोडाउन में मखाने का ज्यादा स्टॉक रखा था।

धुआं उठते देख दमकलों को बुलाया

सुबह गोडाउन में धुआं उठते हुए लोगों ने देखा। इसके बाद फायर कंट्रोल रूम पर सूचना दी गई। तुरंत आसपास के फायर स्टेशन से दमकलें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने लगी। आग लगने की वजह साफ नहीं हो पाई है, लेकिन प्रथम दृष्टया शार्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है।

सीहोर में दबंगों के हौसले बुलंद

महिला को लाठी-डंडों से पीटा, शरीर पर कई जगह चोट के निशान

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में जातिगत हिंसा और उत्पीड़न के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामला थाना कोतवाली अंतर्गत ग्राम तकीपुर से सामने आया है। जहां गांव के दंबगों ने पहले तो वृद्ध दलित महिला के साथ लाठियों डंडों से बर्बरतापूर्वक मारपीट की। अब दबंग महिला को गांव से भगाने की धमकियां दे रहे हैं। दलित परिवार डरा सहमा है और उन्हें डर है कि आरोपी कभी भी उन पर हमला कर सकते हैं। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस उनका साथ नहीं दे रहे है। मुख्यालय के नजदीकी ग्राम तकीपुर में रहने वाली वृद्ध दलित महिला लीलाबाई मालवीय के साथ गांव के दबंग राजमल परमार और उसके बेटे महेश परमार, कमलेश परमार ने लाठियों डंडों से बेरहमी से मारपीट की। महिला के शरीर पर कई जगह चोटों के निशान हैं। शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर ली है। लेकिन पीड़िता का आरोप है कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार भी नहीं किया।

भोपाल के बाजारों में दीपावली की चहल-पहल शुरू

भीड़ से निपटने प्रशासन ने किया पुख्ता इंतजाम

भोपाल ■ अमृत दर्शन

दीपावली के नजदीक आते ही राजधानी के बाजार रौशन हो गए हैं। खरीदारी के लिए उमड़ती भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और नगर निगम ने बाजारों में विशेष व्यवस्थाएं की हैं। वहीं, ट्रैफिक और पार्किंग से राहत दिलाने के लिए व्यापारिक संगठन भी सक्रिय हुए हैं। प्रमुख बाजारों में साफ-सफाई, अतिक्रमण हटाने और यातायात नियंत्रण पर खास फोकस किया जा रहा है। मंगलवार को भी बाजार में काफी भीड़ देखने को मिली दीपावली के पहले आए पुष्य नक्षत्र की रौनक बाजारों में नजर आया।

ननि ने सफाई और निगरानी के दिए निर्देश

नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने बताया कि दीपावली और उससे पहले के सभी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए प्रमुख बाजार क्षेत्रों में रात के समय भी सफाई व्यवस्था लागू की गई है। स्वास्थ्य विभाग को निर्देश जारी किए गए हैं, और जहां-जहां पार्किंग की सुविधा है, वहां निगम कर्मचारियों की विशेष तैनाती की जाएगी।

फुटपाथों पर कब्जा, राहगीरों को मुश्किल

इधर त्योहारों के दौरान बाजारों में अतिक्रमण की समस्या चरम पर है। फुटपाथों पर दुकानों के कारण राहगीरों को सड़क पर चलना पड़ रहा है, जिससे यातायात बाधित हो रहा है। गुमठियों, ठेलों और अस्थायी दुकानों ने सड़कें संकरी कर दी हैं। नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाइयां हुईं हैं, लेकिन स्थायी विकल्पों के अभाव में समस्या दोबारा लौट आई है। हॉकर कॉर्नर जैसे समाधान मौजूद हैं लेकिन उनका उपयोग नहीं हो रहा।

सीएम डॉ. मोहन ने अब्दुल कलाम को किया नमन

भोपाल। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को सीएम डॉ मोहन यादव ने नमन किया हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का सपना देखा और इस संकल्प की सिद्धि के लिए अपना जीवन समर्पित किया। सीएम डॉ मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा- महान वैज्ञानिक, पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न से सम्मानित, 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूं। उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर तथा सशक्त बनाने का सपना देखा और इस संकल्प की सिद्धि हेतु जीवन समर्पित किया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन कहे जाने वाले डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम की आज जयंती मनाई जा रही है। उनका जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। हर साल उनकी जयंती विश्व छात्र दिवस भी मनाया जाता है।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयलएरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।